twitter.com/divyadelhi | facebook.com/divyadelhi | infodivyadelhi@gmail.com | Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | रविवार, 13 जुलाई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 237, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

51 हजार युवाओं को नौकरी की सौगात

पीएम ने रोजगार मेले में 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित की

रोजगार मेला से लाखों नौजवानों को भारत सरकार में स्थायी नौकरी मिली, विदेश यात्रा में हुए समझौते से युवाओं को होगा फायदा: पीएम मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 16वें रोजगार मेले का शुभारंभ किया। इस दौरान पीएम मोदी 51,000 से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, हमारा उद्देश्य है कि रोजगार मेला के माध्यम से लाखों युवाओं को 'बिना पर्ची, बिना खर्ची' नौकरी मिल सके।पीएम मोदी ने कहा कि रोजगार मेला के माध्यम से लाखों नौजवानों को भारत सरकार में स्थायी नौकरी मिल चुकी है। यह नौजवान राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। पीएम मोदी ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, "बिना पर्ची बिना खर्ची हमारी पहचान है।"

पीएम मोदी ने क्या कहा?
पीएम मोदी के अनुसार, आज कई साथी भारतीय रेल में अपने दायित्वों की शुरूआत करेंगे। कई साथी देश की सुरक्षा के प्रहरी बनेंगे। डाक विभाग में नियुक्त हुए साथी गांव-गांव तक सरकारी की सुविधाओं को पहुंचाएंगे। कुछ साथी 'हेल्प फॉर ऑल' मिशन के सिपाही होंगे और कई युवा समावर्ती विकास और औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देंगे। पीएम मोदी ने कहा- हमें बार-बार याद रखना है कि विभाग कोई भी हो, कार्य कोई भी हो, पद कोई भी हो, इलाका कोई भी हो, मगर ध्येय एक है कि "राष्ट्रसेवा"। एक सूत्र होना चाहिए कि नागरिक प्रथम। आपको देश के लोगों की सेवा का बहुत बड़ा मंच मिला है।

5 देशों की यात्रा का किया जिक्र
अपनी विदेश यात्रा का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, "2 दिन पहले ही मैं 5 देशों की यात्रा कर-के लौटा हूं। हर देश में भारत की युवा शक्ति की गूंज सुनाई दी। इस दौरान जितने भी समझौते हुए, उनसे देश-विदेश में भारत के नौजवानों को फायदा होना ही है। डिफेंस, फार्मा, डिजिटल टेक्नोलॉजी, रेयर अर्थ मिनरल्स समेत कई क्षेत्रों में हुए समझौतों से भारत को आने वाले दिनों में बहुत बड़ा फायदा होगा।"

'मेक इन इंडिया-पीएलआई स्कीम के माध्यम से 11 लाख रोजगार पैदा हुए'

पीएम ने कहा कि देश में मेक इन इंडिया और पीएलआई स्कीम के माध्यम से 11 लाख से अधिक रोजगार पैदा हुए हैं। मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जिससे लाखों युवाओं को रोजगार मिला है। रक्षा उत्पादन, रेलवे निर्माण और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी जबरदस्त प्रगति दर्ज की गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला योजना, पीएम सूर्य घर योजना और नमो ड्रोन दीदी जैसी योजनाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा किया है। पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, जो सरकार की रोजगारोन्मुख योजनाओं का प्रमाण है। विभिन्न योजनाओं के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया गया है। लखपति दीदी मिशन के अंतर्गत अब तक 1.5 करोड़ महिलाएं इस लक्ष्य को प्राप्त कर चुकी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समय विकास का महायज्ञ है।

बिना पर्ची बिना खर्ची के नौकरी हमारी पहचान भी है: मोदी

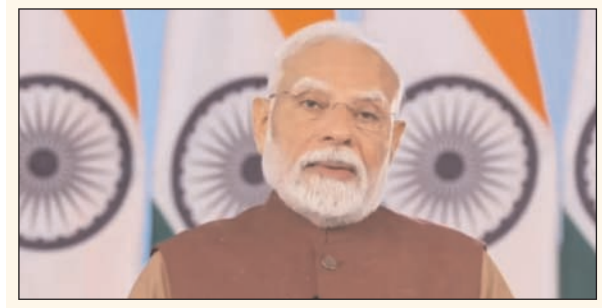

नई दिल्ली/एजेंसी
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार का जोर निजी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसरों के निर्माण पर भी है। सरकार ने हाल ही में एक नई योजना एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम को मंजूरी दी है। इसके तहत सरकार निजी क्षेत्र में पहली बार रोजगार पाने वाले युवाओं को 15,000 रुपये की सहायता देगी। इसके लिए एक लाख करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। इसके माध्यम से लगभग 3.5 करोड़ नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार मेला में 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इन युवाओं को सरकार के विभिन्न विभागों और संगठनों में नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दिन युवाओं के लिए नई जिम्मेदारियों की शुरूआत है। उन्होंने 'नागरिक प्रथम' के सिद्धांत को दोहराते हुए सभी नव-नियुक्त कर्मचारियों को राष्ट्र सेवा का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को नियुक्ति पत्र देने का अभियान लगातार जारी है और बिना पर्ची बिना खर्ची के नौकरी हमारी पहचान भी है। प्रधानमंत्री ने अपनी पांच देशों की हालिया यात्रा का उल्लेख कर कहा कि हमने अन्य देशों के साथ जो भी समझौते किए हैं, उनसे हमारे युवाओं को निश्चित रूप से लाभ होगा। आज दुनिया मान रही है कि भारत के पास दो असीमित शक्तियां हैं। एक डेमोग्राफी और दूसरी डेमोक्रेसी यानी सबसे बड़ी युवा आबादी और सबसे बड़ा लोकतंत्र।

शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में किए 7 एक्सपेरिमेंट

नई दिल्ली/एजेंसी
मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन गए भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला जल्द ही धरती पर वापसी कर सकते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने उनके लौटने की जानकारी दी है। शुभांशु 14 जुलाई को अंतरिक्ष से वापसी करेंगे और वो 15 जुलाई को पृथ्वी पर पहुंच जाएंगे। शुभांशु के साथ करर में गए बाकी 3 अंतरिक्ष यात्री भी स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस आएंगे।

कैलिफोर्निया में होगी वापसी
सोशल मीडिया पर शुभांशु की वापसी की जानकारी देते हुए बताया कि, करर से ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की अनडॉकिंग के बाद सभी अंतरिक्ष यात्री अमेरिका के कैलिफोर्निया के पास मौजूद तट पर 15 जुलाई 2025 को दोपहर 3 बजे (भारतीय समयानुसार) पहुंचेंगे।

शुभांशु ने रचा इतिहास
बता दें कि शुभांशु शुक्ला 14 दिन के मिशन पर करर के लिए रवाना हुए थे। वो करर में जाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। वहीं, भारतीय अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद वो अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं।

कई राज्यों में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

नई दिल्ली/एजेंसी
देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून सक्रिय है और कई राज्यों में भारी बारिश हो रही है। उत्तरी, मध्य और तटीय भारत के कई इलाकों में रुक-रुक कर हो रही तेज बारिश ने जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी है, वहीं कई जगहों पर जलभराव और बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और अधिक बारिश की चेतावनी जारी की है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश से तापमान में गिरावट आई है। हालांकि, इससे कई इलाकों में जलभराव की समस्या बढ़ी है। मौसम विभाग के मुताबिक यह स्थिति 13 जुलाई तक बनी रह सकती है। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के लिए हल्की बारिश और बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। गुजरात में 207 जलाशयों में से कई अब तक 54 प्रतिशत तक भर चुके हैं। वहीं, कई स्थानों पर जलभराव को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली के वेलकम इलाके में चार मंजिला इमारत गिरने से छह की मौत, आठ घायल

नई दिल्ली/एजेंसी
दिल्ली के उत्तर-पूर्वी जिले के वेलकम इलाके की जनता मजदूर कॉलोनी में शनिवार सुबह करीब 7:04 बजे चार मंजिला पुरानी इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गयी, जबकि आठ अन्य घायल हो गए। मौके पर अब भी राहत एवं बचाव कार्य जारी है। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान मतलूब (50), उनकी पत्नी राबिया (46), बेटे जावेद (23) एवं अब्दुल्ला (15), आजम की पत्नी जुबिया (27) और उनकी दो वर्षीय बेटी फौज़िया के रूप में हुई है। घायलों में परवेज (32), नावेद (19), सिजा (21), दीपा (56), गोविंद (60), रवि कश्यप (27), ज्योति (27) और 14 महीने का बच्चा अहमद शामिल हैं। घटनास्थल पर पहुंची अग्निशमन की सात गाड़ियां, पुलिस, सिविल डिफेंस, निगम और आपदा प्रबंधन की टीम को संकरी गलियों के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जेसीबी मशीनों की सहायता से मलबा हटाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

एयर इंडिया विमान हादसे की जांच रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली/एजेंसी
विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान हादसे पर 15 पन्नों की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक, जेट ईंधन स्विच हवा में 1 सेकंड के अंतराल पर बंद हो गए और एक पायलट को यह कहते हुए सुना गया कि "मैंने ईंधन बंद नहीं किया।" अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 अहमदाबाद में 12 जून को भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसा इतना भयावह था कि कुछ ही सकेंड में लोगों की जान चली गई। मृतकों में 229 यात्री, 12 क्रू सदस्य और 19 जमीन पर मौजूद लोग शामिल थे। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट आने के बाद एयरलाइन ने एक्स पोस्ट पर जारी बयान में लिखा है, एयर इंडिया एआई-171 हादसे से प्रभावित परिवारों और अन्य लोगों के साथ एकजुटता से खड़ी है। हम इस क्षति पर शोक व्यक्त करते हैं, इस कठिन समय में सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

जनता की भलाई और विकास ही प्रमुख ध्येय: शिवराज सिंह चौहान

विदिशा/एजेंसी
विदिशा सांसद व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में शनिवार को जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुई। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने बैठक की शुरूआत में जनप्रतिनिधि और अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनता की भलाई और विकास ही प्रमुख ध्येय होना चाहिए। विकास और जनकल्याण को ठीक दिशा देना इस बैठक का यही उद्धेश्य है।
उन्होंने कहा कि समय पर हितलाभ पात्रताधारको को मिले। केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनहितैषी योजनाओं के क्रियान्वयन में विदिशा जिला माडल के रूप में स्थापित हो। उन्होंने विभिन्न विभागो के अधिकारियो से कहा कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान पात्रताधारक यदि कोई व्यक्ति योजना के हितलाभ से वंचित रह गया है तो उसे लाभ दिलाने की प्रक्रिया अविलम्ब क्रियान्वित कर लाभ दिलाए ताकि उसके विश्वास पर खरे उतरें। इस बैठक में पशुपालन एवं डेयरी मंत्री मंत्री लखन पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष गीता कैलाश रघुवंशी, विधायकगण सूर्यप्रकाश मीणा, हरिसिंह सप्रे, उमाकांत शर्मा, मुकेश टण्डन के अलावा समिति के अन्य सभी सदस्यगण मौजूद रहें। मंत्री लखन पटेल ने कहा कि जन्नोमुखी कार्यो को टीम वर्क की भावना से समयावधि में हम पूरा कर जिले की ख्याति में वृद्धि करें। केन्द्र एवं राज्य सरकार की हितग्राहीमूलक योजनाओ के लाभ से कोई वंचित ना रहें। जिन कार्यो में जनप्रतिनिधियों के द्वारा जनहितैषी सुझाव दिए जाते है, उन्हें शामिल कर क्षेत्र विशेष की जनता को लाभांवित करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि समय सीमा में कार्य पूर्ण कराने से लागत में अंतर नहीं आता है।

मुख्यमंत्री नीतीश ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन की बढ़ी हुई 1100 रुपये की राशि लाभार्थियों के खातों में की हस्तांतरित

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के ठीक पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मास्टरस्ट्रोक लगकर विपक्ष को चित कर दिया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने वीडियो क्रांफ्रेंसिंग के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों को 400 रुपये महीना से पेंशन बढ़ाते हुए 1100 रुपये कर उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से इस राशि को हस्तांतरित किया। इस तरह से एक करोड़ 11 लाख पेंशनधारियों के बैंक खाते में 1,227 करोड़ रुपये की राशि भेजी गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश ने ऐलान किया कि यह राशि हर माह की 10 तारीख को लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित कर दी जाएगी। उन्होंने राज्यभर से जुड़े 50 लाख लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 24 नवम्बर 2005 को हमारी सरकार बिहार में बनी थी। पिछले 20 वर्ष में हमारी सरकार ने सभी के कल्याण के लिए कई काम किये। सभी वर्गों के उत्थान के लिए कई योजनाएं चलाई हैं और समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के हित के लिए हम निरंतर काम किया है। इसी क्रम में पेंशन की राशि को 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये महीना करने का निर्णय लिया गया। इससे 1.11 करोड़ पेंशनधारी लाभान्वित होंगे। लालू-राबड़ी राज पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 20 वर्ष

पहले राज्य में कहीं कुछ नहीं था। हमारी सरकार आई तो हर वर्ग, हर क्षेत्र और हर जगह के लिए काम किया गया। राजद से दो बार हाथ मिलाने पर सफाई देते हुए कहा कि हम गलती से दो बार उन लोगों को साथ लिए थे। अब फिर से वे कहीं नहीं जाने वाले हैं। अब आगे कहीं इधर-उधर नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि अब बिहार में राजनीति का नया दौर शुरू होगा, बल्कि सब साथ (एनडीए) मिलकर विकास के रास्ते पर चलेंगे। उन्होंने कहा कि पहले महिलाओं की स्थिति बेहद कमजोर थी, लेकिन उनकी सरकार ने महिलाओं के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले और योजनाएं शुरू की हैं। हमने महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया, हर संभव सुविधा मुहैया कराई। पहले महिलाएं पूछती थीं, पर अब वे सम्मान के साथ बेहतर जीवन जी रही हैं। उनका पहनावा भी पहले से काफी बेहतर हो गया है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं को दी जा रही सुविधाओं को सरकार की प्राथमिकता बताया और कहा कि उनका उद्देश्य महिलाओं का जीवन सम्मानजनक और सुरक्षित बनाना है। उन्होंने कहा कि हमने महिलाओं के लिए हर स्तर पर काम किया है और भविष्य में भी इसी प्रकार काम जारी रहेगा। हम हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध हैं और लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि बिहार अब विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, और सभी वर्गों का जीवन स्तर बेहतर बनाने के लिए निरंतर काम किया जा रहा है।

ऑपरेशन 'सिंदूर' पर NSA अजीत डोभाल का बड़ा बयान : '23 मिनट में किए 9 ठिकानों पर सटीक प्रहार, भारत ने नहीं की कोई चूक'

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु 7 राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शुक्रवार को चेन्नई में एक कार्यक्रम के दौरान 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर महत्वपूर्ण खुलासे किए। डोभाल ने कहा कि यह अभियान भारत की स्वदेशी सैन्य क्षमताओं और खुफिया ताकत का प्रतीक है, जिसमें आतंक के 9 ठिकानों को सिर्फ 23 मिनट में निशाना बनाया गया। डोभाल ने कहा, हमें अपनी स्वदेशी तकनीक पर काम करना होगा। सिंदूर अभियान में जितनी स्वदेशी सामग्री और सटीकता थी, वह गर्व करने योग्य है। उन्होंने बताया कि सभी निशाने

सीमावर्ती नहीं, बल्कि पाकिस्तान के अंदर गहराई में स्थित थे और भारत ने सिर्फ उन्हीं ठिकानों को निशाना बनाया जिनकी सटीक जानकारी थी। एनएसए ने ऑपरेशन के समयबद्ध और निर्णायक संचालन को रेखांकित करते हुए कहा, पूरे ऑपरेशन में महज 23 मिनट लगे। हमसे कोई चूक नहीं हुई। कोई भी निशाना ऐसा नहीं था जो छूट गया हो। हमने केवल वहीं हमला किया जहां हमें स्पष्ट जानकारी थी कि कौन और क्या मौजूद है। डोभाल ने मीडिया कवरेज पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क टाइम्स ने भले ही इस पर सवाल उठाए हों, लेकिन सैटेलाइट तस्वीरों में स्पष्ट देखा जा सकता है कि पाकिस्तान के 13 एयरबेस ऑपरेशन के बाद क्षतिग्रस्त हुए थे।

कांग्रेस राजधानी में आयोजित करेगी 'ओबीसी नेतृत्व भागीदारी न्याय सम्मेलन'

नई दिल्ली। विभिन्न क्षेत्रों में पिछड़ों की भागीदारी बढ़ाने के मुद्दे को लगातार उठा रही कांग्रेस 25 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी में 'ओबीसी नेतृत्व भागीदारी न्याय सम्मेलन' आयोजित करेगी। इस सम्मेलन में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं। वह लगातार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की भागीदारी बढ़ाने के लिए जातिगत जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। श्री गांधी कांग्रेस पार्टी के भीतर पिछड़े वर्ग की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की बात भी करते रहे हैं। इसी कड़ी में पार्टी का ओबीसी

विभाग नयी दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 25 जुलाई को ओबीसी नेतृत्व भागीदारी न्याय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। सम्मेलन में देश भर से कांग्रेस के कई नेता और पदाधिकारी शामिल होंगे। सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रमुख नेताओं में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पार्टी महासचिव सचिन पायलट समेत कई नेताओं के नाम शामिल हैं। पिछड़ा वर्ग की भागीदारी बढ़ाने और न्याय दिलाने के लिए पार्टी पहले ही एक कमेटी का गठन कर चुकी है जिसके समन्वयक कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन अनिल जय हिंद हैं। इस कमेटी में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, श्रीअशोक गहलोत, श्री भूपेश बघेल और श्री सचिन पायलट भी हैं।

दिल्ली का गौरव उसके ऐतिहासिक धरोहरों में समाहितः रेखा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी का गौरव उसके ऐतिहासिक धरोहरों, जीवंत संस्कृति और आधुनिक मूल्यों में समाहित है। श्रीमती गुप्ता ने शुक्रवार को यहाँ दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से कहा, ÷राजधानी के छवि को पुनर्निर्माण करने की जरूरत है। दिल्ली में वह सब कुछ है जो विश्व के पर्यटकों को चाहिए, वह इतिहास, संस्कृति, कला और विरासत है। केवल एक प्लेटफार्म देने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा आज दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित डिलाइट फॉर दिल्ली समिट में सहभागिता करते हुए यह विश्वास और भी दृढ़ हुआ कि दिल्ली अब केवल एक राजधानी नहीं, बल्कि

वैश्विक पर्यटन, सांस्कृतिक समृद्धि और नवाचार का आकर्षण केंद्र बन रही है। उन्होंने कहा कि यह समिट केवल पर्यटन विस्तार का एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि दिल्ली को वैश्विक निवेश, नवाचार और सांस्कृतिक नेतृत्व की नई ऊँचाइयों से जोड़ने का एक रणनीतिक मंच है। राजधानी का गौरव उसके ऐतिहासिक धरोहरों, जीवंत संस्कृति और आधुनिक मूल्यों में समाहित है, जहाँ एक ओर लाल किले और कुतुब मीनार की भव्यता है, तो दूसरी ओर स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक इवेंट्स को होस्ट करने की क्षमता भी है। जी 20 शिखर सम्मेलन ने विश्व को दिल्ली की गरिमा, दक्षता और सामर्थ्य का परिचय दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आज दिल्ली परंपरा और प्रगति का संगम बनकर एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त रूप में दर्शा रही है। दिल्ली सरकार निवेशकों के लिए भरोसेमंद भागीदार है। हम सुझावों को योजनाओं में, और योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता के साथ कार्य करते हैं। उन्होंने कहा, आइए, हम सब मिलकर एक ऐसी दिल्ली का निर्माण करें जो विश्व पटल पर संस्कृति, समृद्धि और सतत विकास का प्रतीक बने।

हरियाणा में अपराध बढ़ने पर थानेदार होंगे जिम्मेदार

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने थाना स्तर पर तय की जवाबदेही

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा कानून-व्यवस्था पर बुलाई गई उच्च स्तरीय बैठक कोई सामान्य समीक्षा बैठक नहीं थी, बल्कि यह हरियाणा में शासन और प्रशासन के बीच संबंधों को पुनर्गठित करने का महत्वाकांक्षी प्रयास प्रतीत होता है। अब तक, कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर अक्सर शीर्ष स्तर पर घोषणाएँ होती थीं और उनकी सफलता या विफलता का जिम्मा मुख्य रूप से जिला मुख्यालयों पर होता था। लेकिन, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से 'थाना स्तर पर जवाबदेही' तय करने की बात कहकर महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दिया है। यह निर्देश न केवल पुलिस व्यवस्था में विकेंद्रीकरण को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि सरकार अब परिणामों के लिए सीधे सबसे निचले स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराना चाहती है। हालांकि यह जोखिम भरी रणनीति है, क्योंकि यह थाना प्रभारियों को या तो सशक्त

करेगी या उन पर इतना दबाव डालेगी कि वे सिर्फ आँकड़ों का खेल खेलें। फिरौती, नशा और महिलाओं की सुरक्षा जैसे विशिष्ट अपराधों पर कठोर कार्रवाई के निर्देश सीधे तौर पर जनता की सबसे बड़ी चिंताओं से जुड़े हैं। जन संवाद पोर्टल और शिकायत की रसीद देने जैसे उपाय सरकार और जनता के बीच की दूरी को कम करने के लिए उठाए गए कदम हैं। ये एक नई 'डिजिटल जवाबदेही' की शुरुआत करते हैं, जहाँ शिकायतकर्ता को अपनी शिकायत की स्थिति का पता होता है और सरकार के पास हर कार्रवाई का रिकॉर्ड होता हैयह पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह पुलिस तंत्र को केवल एक रिपोर्टिंग मशीन में तो नहीं बदल देगा, जहाँ कागजी कार्रवाई पर अधिक ध्यान दिया जाएगा और जमीनी काम पर कम? इसी तरह, पुलिसकर्मियों के व्यवहार और अनुशासन पर दिए गए कड़े निर्देश भी महत्वपूर्ण हैं। वर्दी में शराब का सेवन करने वाले पर 'सख्त से सख्त' कार्रवाई का फरमान जनता के बीच पुलिस की छवि को सुधारने की दिशा में एक गंभीर प्रयास है। यह बैठक केवल औपचारिकता से बढ़कर है। यह हरियाणा में कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार की एक नई रणनीति का खाका है। यह रणनीति सिर्फ़ आदेश देने की नहीं, बल्कि तंत्र में अंतर्निहित समस्याओं को जड़ से खत्म करने की है।

मोदी, आरएसएस पर आपत्तिजनक व्यंग्यचित्र विवाद पर14 को सुनवाई करेगा शीर्ष न्यायालय

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के साथ अशोभनीय व्यंग्यचित्र बनाने के मामले में आरोपी हेमंत मालवीय की अंतरिम जमानत की मांग वाली याचिका पर 14 जुलाई को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर के मामले पर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध आज स्वीकार करते हुए इस मामले को सोमवार के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। इंदौर के व्यंग्यचित्रकार हेमंत ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के तीन जुलाई के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती देते हुए राहत की गुहार लगाई है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर की एकल पीठ ने अपने फैसले में कहा था कि हेमंत ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग किया है। उन्हें संबंधित व्यंगचित्र बनाते समय अपने विवेक

का इस्तेमाल करना चाहिए था। उच्च न्यायालय ने हेमंत को हिरासत में लेकर पूछताछ का आदेश दिया था। हेमंत ने उच्च न्यायालय से राहत न मिलने पर शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया और याचिका दायर करके कहा कि हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता लगभग दंडात्मक लगती है, न कि ठोस जांच आवश्यकताओं या उद्देश्य पर आधारित।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर पवन खेड़ा का तंज, 'जल्द आएंगे अच्छे दिन'

एजेंसी

नई दिल्ली । आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सुझाव दिया है कि 75 साल के बाद व्यक्ति को दूसरों के लिए भी रास्ता बनाना चाहिए। आरएसएस प्रमुख के इस बयान का कांग्रेस ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि हमें खुश होना चाहिए कि मोहन भागवत और प्रधानमंत्री मोदी दोनों इस साल 75 वर्ष के हो रहे हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मोहन भागवत के बयान का जिक्र करते हुए कहा, कल मोहन भागवत ने एक खुशखबरी सुनाई। उन्होंने कहा कि 75 साल का होने के बाद इंसान को किसी और को मौका देना चाहिए। अब यह खुशखबरी इसलिए है, क्योंकि मोहन भागवत 11 सितंबर को 75 साल के हो रहे हैं और 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 75 साल के हो रहे हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि अगर नरेंद्र मोदी राजनीति में न होते तो कहां होते? पवन खेड़ा ने कहा, पिछले 11 साल में उन्होंने (पीएम मोदी) देश, संविधान और संवैधानिक संस्थाओं की जो हालत की है, 17 सितंबर को हमें उससे निजात मिलेगी और 11 सितंबर को इससे निजात मिलने का पहला कदम होगा। दोनों की जोड़ी ने ही संविधान की ये हालत की और

उसकी (संविधान) आत्मा के साथ खिलवाड़ किया। हर्षोल्लास की एक लहर कल शाम से पूरे देश में दौड़ गई है, जब से मोहन भागवत का बयान सामने आया है। आप सबको खुश होना चाहिए कि भारत, संविधान और देश की आत्मा के अच्छे दिन आने वाले हैं, क्योंकि नरेंद्र मोदी और मोहन भागवत जाने वाले हैं। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक कार्यक्रम के दौरान सुझाव दिया था कि जब आप 75 साल की उम्र के हो जाते हैं तो आपको रुक जाना चाहिए और दूसरों के लिए रास्ता बनाना चाहिए। उनके इस बयान पर राजनीति तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मोहन भागवत के बयान से कहीं न कहीं आरएसएस और भाजपा में विरोधाभास के संकेत मिल रहे हैं।हालांकि ये पहली बार नहीं है कि उम्र को आधार बनाकर सरकार को घेरा जा रहा है। लोकसभा चुनाव के दौरान भी पीएम मोदी की रिटायरमेंट को लेकर खूब बयानबाजी हुई थी।

कांवड़ यात्रा तक रिलीज रोकने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। 'उदयपुर फाइल्स' फिल्म की रिलीज कांवड़ यात्रा तक रोकने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के बाद फिल्म की रिलीज से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर पहुंचा था। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई से इनकार करते हुए याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर एक टिप्पणी दी। कहा, 'पहले ही दिल्ली हाईकोर्ट इस पर आदेश दे चुका है इसलिए इस मांग पर हम कोई सुनवाई नहीं करेंगे।' 'उदयपुर फाइल्स' फिल्म शुक्रवार को ही रिलीज होनी थी। यह कन्हैया लाल हत्याकांड पर आधारित है। 28 जून, 2022 को राजस्थान के उदयपुर में मोहम्मद रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद ने मिलकर दर्जी कन्हैयालाल का गला रेत दिया था। इस हत्याकांड के बाद पूरे देश में आक्रोश देखा गया था। हालांकि कन्हैया लाल हत्याकांड के इर्द-गिर्द बनी इस फिल्म की रिलीज पर दिल्ली हाईकोर्ट ने अस्थायी रूप से रोक लगाई। यह रोक तब तक लागू रहेगी जब तक केंद्र सरकार फिल्म को सेंसर बोर्ड से मिली मंजूरी के खिलाफ दायर पुनर्विचार

याचिका पर निर्णय नहीं ले लेती। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ मामले में कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं में एक याचिका जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने भी दायर की थी। उन्होंने फिल्म को मिले सीबीएफसी (केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड) प्रमाणन को रद्द करने की मांग की थी। इन याचिकाओं में कहा गया, 'फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज से सांप्रदायिक तनाव भड़कने और सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने की आशंका है, जिससे देश में धार्मिक सद्भाव का ताना-बाना गंभीर रूप से प्रभावित होगा।' सभी पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने फिल्म पर अस्थायी रोक लगाने का आदेश दिया। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह निर्माता को सुनवाई का अवसर देकर एक सप्ताह के भीतर पुनर्विचार याचिकाओं पर निर्णय ले।

योगी ने जनता दर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं, कहा - हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है सरकार

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान उन्होंने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और कहा कि परेशान मत हों, आपकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में एक महिला ने इलाज के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई तो उसे आत्मीय संबल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज का इस्टीमेट मंगा लीजिए, सरकार भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री शुक्रवार सुबह 'जनता दर्शन' में गोरखनाथ मंदिर परिसर में कुर्सियों

पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में एक महिला समेत कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन को उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ऑफिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जनता दर्शन की कई तस्वीरें शेयर की। पोस्ट में लिखा, जनसेवा का संकल्प, लोक-कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता...इस ध्येय की पूर्ति हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं।

बाबा के वेश में घूम रहे बंगलादेशी नागरिक सहित 25 ढोंगी गिरफ्तार

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर गुरुवार से शुरू हुए 'ऑपरेशन कालनेमि' के तहत शुक्रवार को ही देहरादून पुलिस ने एक बंगलादेशी नागरिक सहित कुल 25 छद्मवेष वाले ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने साधु-संतों का भेष धारण कर, सड़क किनारे बैठे ऐसे व्यक्तियों से स्वयं पूछताछ की। थाना नेहरू कालोनी क्षेत्र में उन्होंने सड़क किनारे बैठ, लोगों को अपना शिकार बना रहे ऐसे ही कई व्यक्तियो से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की तो अपने प्रोफेशन सम्बंध में वे कोई सन्तोष जनक उत्तर नही दे पाये और न ही ज्योतिष शास्त्र की शिक्षा से सम्बन्धित कोई दस्तावेज प्रस्तुत कर पाये। जिस पर उक्त सभी व्यक्तियों को पुलिस द्वारा मौके से हिरासत में लेते हुए उन्हें 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया। एसएसपी ने बताया कि अभियान के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए साधु-संतों के भेष में घूम रहे कुल 25 ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से सहसपुर क्षेत्र में बाबा के भेष में घूम रहा एक बंगलादेशी नागरिक भी पुलिस की गिरफ्त में आया जिसके विरूद्ध थाना सहसपुर पर विदेशी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने सीएम सिद्धारमैया को दी अंतरिम राहत, मानहानि याचिका में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक

एजेंसी

बेंगलुरु । कर्नाटक हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को एक मानहानि मामले में राहत दी है। कोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई की ओर से दायर आपराधिक मानहानि मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह मामला 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस की तरफ से प्रकाशित करप्शन रेट कार्ड विज्ञापन और कथित तौर पर झूठे प्रचार से जुड़ा है, जिसमें तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष सिद्दारमैया, डी.के. शिवकुमार (केपीसीसी के अध्यक्ष होने के नाते) और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भाजपा की छवि खराब करने का आरोप लगाया गया था। हाईकोर्ट के जज जस्टिस एस.आर. कृष्ण कुमार ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी की

दलीलें सुनने के बाद यह अंतरिम आदेश जारी किया। कोर्ट ने प्रतिवादी को नोटिस जारी किया और ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी। शेट्टी ने कोर्ट को बताया कि यह वही मामला है, जिसमें पहले डी.के. शिवकुमार और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) को 4 जुलाई को हाईकोर्ट से राहत मिल चुकी है। इसके अलावा, इसी मामले में इस साल जनवरी में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ भी ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाई गई थी। भाजपा की शिकायत कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा स्थानीय अखबारों में प्रकाशित 'करप्शन रेट कार्ड' विज्ञापन और 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के ÷झूठे प्रचार÷ के खिलाफ है। भाजपा का दावा है कि इन विज्ञापनों में लगाए आरोप झूठे थे। भाजपा ने इसे काल्पनिक और झूठा बताते हुए कहा कि इससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा। साथ ही, विज्ञापनों में डबल इंजन सरकार की जगह ट्रबल इंजन सरकार शब्द का इस्तेमाल कर भाजपा की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने और चुनाव में उनकी संभावनाओं को प्रभावित करने की कोशिश की गई।

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ दलाई लामा के 90वें जन्मदिवस पर आयोजित करेगा एक दिवसीय सम्मेलन

एजेंसी
नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) 14वें दलाई लामा के 90वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है। अशोका होटल में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में बौद्ध विद्वान, शोधकर्ता, साधक और प्रतिष्ठित आध्यात्मिक नेता शामिल होंगे। इस अवसर पर वे गहन प्रश्नों पर विचार-विमर्श करेंगे। सम्मेलन में जिन विषयों पर चर्चा की जाएगी उनमें '21वीं सदी में बुद्ध धर्म की प्रासंगिकता' और 'तिब्बती बौद्ध धर्म का भविष्य एवं उसकी संस्कृति का संरक्षण शामिल है। साथ ही, 'बौद्ध ज्ञान, दर्शन और आधुनिक विज्ञान पर संवाद को आगे बढ़ाने के लिए 'क्वांटम फिजिक्स, न्यूरोसाइंस और बौद्ध धर्म' पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा, जिसमें परंपरागत साधना और वैज्ञानिक प्रमाणों के मध्य संबंध को स्थापित करने का प्रयास होगा। इस मौके पर वक्ता अतिथि केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के पूर्व प्रधानमंत्री के मुख्य सलाहकार प्रो. समदोंग रिनपोछे, विशेष अतिथि के रूप में थाईलैंड की सुप्रीम संघ परिषद के वरिष्ठ सदस्य, फरात वजरसुविवोंग धम्मलोंगकोनविभूषित अरयावांसो, विशेष अतिथि के रूप में 43वें साक्य त्रिजिन ज्ञान वज्र रिनपोछे सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहेंगे।

आदिवासी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए 'तलाश' पहल की शुरुआत

नई दिल्ली। जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत स्वायत्त संस्था 'राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (एनईएसटीएस) ने यूनिसेफ इंडिया के सहयोग से 'तलाश' (ट्राइबल एप्टीट्यूड, लाइफ स्किल्स एंड सेल्फ एस्टीम हब) नामक एक राष्ट्रीय स्तर की पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) के छात्रों को शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास में सशक्त बनाना है। कार्यक्रम से देशभर के 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित 1.38 लाख से अधिक छात्रों को लाभ पहुंचाएगा। जनजातीय मंत्रालय के अनुसार आदिवासी छात्रों के लिए बनाई गई यह देश की पहली ऐसी डिजिटल पहल है। 'तलाश' छात्रों में आत्मबोध बढ़ाने, जीवन कौशल विकसित करने और करियर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एनसीईआरटी की 'तमन्ना' पहल से प्रेरित यह कार्यक्रम छात्रों की रुचियों और क्षमताओं के आधार पर उन्हें करियर कार्ड प्रदान करता है, जिससे वे अपने लिए उपयुक्त करियर विकल्प चुन सकें। इसमें शिक्षकों के लिए भी विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल शामिल हैं, ताकि वे छात्रों को प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन दे सकें। अब तक 75 ईएमआरएस के 189 शिक्षक प्रशिक्षित हो चुके हैं और अपने-अपने विद्यालयों में कार्यक्रम का संचालन कर रहे हैं। एनईएसटीएस के आयुक्त अजीत कुमार श्रीवास्तव ने कहा, तलाश हमारे इस संकल्प का प्रमाण है कि हम आदिवासी छात्रों को उनकी पूर्ण क्षमता तक पहुँचने के अवसर देना चाहते हैं।

दिल्ली के आजाद मार्केट में तीन मंजिला इमारत ढही, 46 वर्षीय व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के आजाद मार्केट इलाके में शुक्रवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। पुल मिठाई इलाके में एक तीन मंजिला बिल्डिंग रात करीब 2 बजे अचानक भरभराकर गिर गई, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में 46 साल के एक व्यक्ति की मौत हुई है। जानकारी के मुताबिक, इस बिल्डिंग के नीचे तीन दुकानें स्थित थीं, जिनमें सूटकेस, बैग और तिरपाल का कारोबार होता था। पहली मंजिल पर गोदाम बनाए गए थे। हादसे के वक्त बिल्डिंग के नीचे खड़ा एक ट्रक भी मलबे की चपेट में आ गया और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पास में मेट्रो का निर्माण कार्य भी चल रहा था। दिल्ली पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, रात करीब 1:55 बजे दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को पुल मिठाई के टोकरी वालान में बाड़ा हिंदू राव स्थित इमारत ढहने की सूचना मिली थी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह ने दी अश्विनी वैष्णव के पिता को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार में रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊलाल वैष्णव के निधन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह अरुण कुमार, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर तथा भारतीय जनता पार्टी के नेताओं, केन्द्रीय मंत्रियों, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों आदि ने आज भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। राजधानी के लोधी रोड स्थित चिन्मय मिशन में आज पूर्वाह्न आयोजित प्रार्थना सभा में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह अरुण कुमार, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर, अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेन्द्र ठाकुर ने स्वर्गीय दाऊलाल वैष्णव की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की सद्गति और परिवार जनों को संबल एवं धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। श्रद्धांजलि देने वालों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा की उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, भाजपा के महासचिव अरुण सिंह एवं तरुण चुघ, भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, पीयूष गोयल, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, मध्य प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मंत्री प्रवेश वर्मा, नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज, सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले आदि शामिल थे।

आंध्र प्रदेश के सूखा ग्रस्त जिलों में विशेषज्ञों की टीम भेजेगी केंद्र सरकार : शिवराज

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दक्षिणी आंध्र प्रदेश के सूखा ग्रस्त जिलों को लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में प्राकृतिक खेती और पाम ऑयल मिशन को लेकर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि सूखा ग्रस्त जिलों की समस्याओं के समाधान के लिए कृषि मंत्रालय विशेषज्ञों की टीम भेजेगी।

उन्होंने कहा कि पुट्टपर्थी में हमने आंध्र प्रदेश के कृषि मंत्री के साथ सूखा ग्रस्त जिलों को लेकर अहम बैठक की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश सरकार ने ड्रिप इरिगेशन को बढ़ावा देने से लेकर, हॉर्टिकल्चर को बढ़ावा देने तक कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। शिवराज

सिंह ने कहा कि पुरानी सरकार ने केंद्र सरकार के पैसे को भी डायवर्ट करके यहां किसानों के साथ अन्याय किया, लेकिन वर्तमान सरकार काम कर रही है। विजनरी चीफ मिनिस्टर यहां पर हैं। शिवराज सिंह ने कहा कि ÷विभिन्न उपायों में सबसे पहले- हम कृषि विभाग, आईसीएआर व ग्रामीण विकास की केंद्र सरकार की एक टीम को यहां भेजा जाएगा ताकि कृषि विभाग, आईसीएआर के वैज्ञानिक, ग्रामीण विकास विभाग और भूमि संसाधन विभाग, जिसमें वॉटरशेड भी सम्मिलित है, मिलकर सूखे की परिस्थिति में भी फसल पैदा करने के लिए योजना बना सकें।

चौहान ने कहा कि ÷वर्षा जल संचयन, पौधरोपण का काम और जल शक्ति मंत्रालय के साथ मिलकर तुंगभद्रा और कृष्णा नदी से कैसे पानी आ सकता है, उस पर भी काम करेंगे। एकीकृत खेती जिसमें अलग-अलग : फल, फूल, सब्ज़ियां, कृषि वानिकी, मधुमक्खी पालन, पशुपालन शामिल हैं, उसके तहत भी कुछ योजनाएं बनाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। इसके साथ सूखा ग्रस्त क्षेत्रों में अच्छा उत्पादन देने वाले बीजों की किस्में भी विकसित करने के लिए काम किया जाएगा।

आधुनिक विज्ञान के साथ वैदिक ज्ञान का समावेश जरूरी: सर्बानंद सोनोवाल

एजेंसी
नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में आयोजित तीन दिवसीय भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) शैक्षणिक सम्मेलन में शामिल हुए केंद्रीय बंदरगाह, शिपिंग और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने भारतीय ज्ञान प्रणालियों को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो हजारों वर्षों की परंपरा और आधुनिक प्रौद्योगिकी के मेल को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि 10 से 12 जुलाई तक चलने वाला यह सम्मेलन भारतीय विरासत को नई दिशा देने का अवसर है। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी शामिल हुए। सोनोवाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणालियां, जिसमें गणित, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद और दर्शन जैसे क्षेत्र शामिल हैं, को आधुनिक शिक्षा और उद्योग में एकीकृत करने से वैश्विक चुनौतियों, जैसे जलवायु परिवर्तन और स्थिरता, का समाधान संभव है। उन्होंने यूरोपीय सांस्कृतिक मानदंडों के वर्चस्व को चुनौती देते हुए भारतीय दृष्टिकोण को वैज्ञानिक समुदाय में एक वैकल्पिक ढांचे के रूप में पेश करने की बात की। मंत्री ने हिमालयी देशों के साथ सहयोग को बढ़ावा देने की बात कही, जो इस

पहल को क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर मजबूत करेगा।उन्होंने जेएनयू को इस मंच को वैश्विक शैक्षणिक नेटवर्क में बदलने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। सोनोवाल ने कहा कि प्राचीन ग्रंथों में निहित ज्ञान को डिजिटल युग में लाकर नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की मांग है।

उद्योग आर्थिक गतिविधियों का केंद्र के साथ भारत के भविष्य के सह निर्माता: उपराष्ट्रपति

एजेंसी
नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारत मंडपम में आयोजित सीआईआई-आईटीसी सस्टेनेबिलिटी अवार्ड्स के 19वें संस्करण में उद्योग जगत से संवाद करते हुए कहा कि उद्योग केवल आर्थिक गतिविधियों का केंद्र नहीं, बल्कि भारत के भविष्य के सह-निर्माता हैं। उन्होंने उद्योगों से समावेशिता, सततता और नवाचार को अपनी कार्य संस्कृति का आधार बनाने का आग्रह किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उद्योग जगत को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समर्थन देकर और नेतृत्व में लैंगिक और जातिगत विविधता को बढ़ावा देकर समावेशन की एक शक्ति बनना चाहिए। उन्होंने सूक्ष्म लैंगिक भेदभाव पर चिंता जताई और कहा कि समानता के लिए हमें व्यवहारिक बदलाव लाने होंगे। भारत के सतत विकास की भूमिका पर उन्होंने कहा कि 2030 के वैश्विक सतत विकास एजेंडा की सफलता भारत की भागीदारी के बिना संभव नहीं है। भारत ने यह जिम्मेदारी स्पष्टता और प्रतिबद्धता के साथ

निभाई है। उन्होंने उद्योगों से अपील की कि वे सततता को सिर्फ अनुपालन के रूप में नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के रूप में अपनाएं। धनखड़ ने 'ब्रांड इंडिया' के लिए चार स्तंभ सुझाए- गुणवत्ता, भरोसा, नवाचार और आधुनिक संदर्भ में पुनर्परिभाषित प्राचीन ज्ञान। उन्होंने कहा कि उद्योगों को ग्रीनफील्ड परियोजनाओं और उपेक्षित क्षेत्रों में सीएसआर फंड के माध्यम से विश्वस्तरीय संस्थान स्थापित करने चाहिए। निजी क्षेत्र की भूमिका पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की भूमिका केवल एक सक्षमकर्ता की है। असली ज़िम्मेदारी कॉर्पोरेट क्षेत्र पर है। सरकार अकेले कोई मैच नहीं जीत सकती, उसे उद्योग का सहयोग चाहिए। उपराष्ट्रपति ने उद्योगों से अनुसंधान और कौशल विकास में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत की युवा जनसंख्या सबसे बड़ा पूंजी है, जिसे सही दिशा देना आवश्यक है।

नए युग में प्रवेश कर चुकी है भारत की विदेश नीति: भाजपा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आतंकवाद वाले विषय पर न सिर्फ सर्वसम्मति के साथ भारत के पक्ष का अनुमोदन हुआ बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट कहा कि आतंकवाद के पीड़ित और आतंकवाद के प्रायोजक को एक तराजू में नहीं रखा जा सकता है। आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक स्वीकार्यता प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित हुई। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में डॉ. सुधांशु ने कहा कि प्रधानमंत्री की हालिया विदेश यात्रा के दौरान 4 देशों ने अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया और इसी के साथ प्रधानमंत्री को अब तक 27 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्राप्त हो चुका है। वे 17 देशों की पार्लियामेंट को संबोधित कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था हो चुका है

और तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। हमारे आर्थिक और सामरिक हित बहुत से महत्वपूर्ण मैटेरियल पर निर्भर हैं, जिसमें डायमंड, यूरेनियम, लिथियम, गोल्ड जैसे क्रिटिकल मैटेरियल शामिल हैं।

घाना और नामीबिया जैसे देश, जो इस प्रकार के तत्वों का प्राकृतिक रूप से बड़ा संग्रह रखने वाले देश हैं, उनके साथ भारत का एग्रीमेंट होना, भारत को न सिर्फ आत्मनिर्भर बनाता है, बल्कि क्रिटिकल रियर अर्थ मैटेरियल के लिए किसी एक देश पर निर्भर होने से मुक्ति भी दिलाता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने से पहले, भारत को ब्रिक्स में सबसे कमजोर देश माना जाता था। आज भारत ब्रिक्स में सबसे मजबूत देशों में से एक है। हम विश्व के एकमात्र देश हैं, जो ब्रिक्स के भी सदस्य हैं और क्वाड के भी सदस्य हैं। यह दिखाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। किसी जमाने में हम गुटनिरपेक्ष हुआ करते थे, आज हम समावेशिता की ओर बढ़ चुके हैं।

अगले 5 दिनों में देशभर में भारी बारिश की चेतावनी, कई राज्यों में चलेगी तेज हवा, बिजली गिरने की घटनाएं

एजेंसी
नई दिल्ली। देशभर में मानसून पूरी रफ्तार से बरस रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मध्य, पूर्वी, उत्तर-पश्चिम, पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के कई राज्यों में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। कुछ क्षेत्रों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और आवश्यक एहतियात बरतने की अपील की है।मध्य प्रदेश में 10 से 15 जुलाई तक विभिन्न स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना बनी हुई है। 10 से 11 जुलाई को विदर्भ, 10, 11, 14 और 15 जुलाई को छत्तीसगढ़, 13 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम, 14 जुलाई को पश्चिम बंगाल, तथा 13 से 15 जुलाई के बीच ओडिशा में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 10 से 12 जुलाई तक मध्य प्रदेश में ÷बहुत भारी वर्षा÷ होने की चेतावनी दी गई है। 10 जुलाई को विदर्भ, छत्तीसगढ़ व झारखंड में भी कई जगह बारिश हो सकती है। इस क्षेत्र में अगले सप्ताह हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक व 30 से 40 किमी/घंटा तक तेज हवाओं की भी संभावना बनी हुई है। उत्तर-पश्चिम भारत में 10 से 15 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान व उत्तराखंड के कई हिस्सों में भारी बारिश संभव है। 10 और 13 से 15 जुलाई को हिमाचल प्रदेश, 10 से 13 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश, 10 से 11 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश, और 12 से 15 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान में भी बारिश की संभावना जताई गई है। 10 जुलाई को उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब व हरियाणा में और 11 से 13 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में 'बहुत भारी वर्षा' हो सकती है। पश्चिम भारत में कोंकण से गोवा व गुजरात में 10 से 15 जुलाई के दौरान विभिन्न स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। विशेष रूप से 10 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, तथा 12 से 13 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ में भी बारिश के हालात बन रहे हैं। दक्षिण भारत में 10 से 15 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक व केरल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के साथ 40 से 50 किमी/घंटा की तेज सतही हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है। यहां भी अगले 7 दिनों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है। पूर्वोत्तर भारत में भी अगले हफ्ते ज्यादातर जगहों पर छिटपुट से मध्यम बारिश, गरज व बिजली गिरने की घटनाएं देखने को मिल सकती हैं। 10 से 15 जुलाई में असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम व त्रिपुरा समेत 11 से 15 जुलाई को अरुणाचल प्रदेश के भी कई हिस्सों में भारी बारिश होने का अनुमान है। विश्लेषण के मुताबिक, झारखंड, गंगा क्षेत्र व उससे सटे क्षेत्रों में विक्षोभ के कारण समुद्र तल से ऊपरी वायु के चक्रण उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहे हैं। यह प्रणाली महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, अंडमान क्षेत्र व पूर्वी भारत के मानसून गर्त से जुड़ी हुई है।

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत अब तक 66.16 प्रतिशत फॉर्म जमा

एजेंसी
नई दिल्ली। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी और बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) की अथक मेहनत से व्यापक समर्थन मिल रहा है। 24 जून से शुरू हुए इस

अभियान में अब तक कुल 5.22 करोड़ (5,22,44,956) नामांकन फॉर्म एकत्र किए जा चुके हैं। यह राज्य के 7.90 करोड़ मतदाताओं का 66.16 प्रतिशत है। चुनाव आयोग के अनुसार 77,895 बीएलओ, 20,603 नव नियुक्त बीएलओ, 4 लाख स्वयंसेवक तथा सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1.56 लाख बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) इस अभियान में जुटे हुए हैं। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और कमजोर वर्गों तक पहुंच सुनिश्चित की है। अब भी मतदाताओं के पास फॉर्म जमा करने के लिए 15 दिन का समय शेष है। अब तक 7.90 करोड़ फॉर्म छापे जा चुके हैं, जिनमें से लगभग 98 प्रतिशत (7.71 करोड़) का वितरण भी हो चुका है। आयोग को उम्मीद है कि अगर यही गति बनी रही, तो यह कार्य 25 जुलाई की समय सीमा से पहले ही पूर्ण हो सकता है।

भारत स्वच्छ परिवहन की ओर तेजी से अग्रसर : हर्ष मल्होत्रा

जेंसी
नई दिल्ली। देश में तेजी से स्वच्छ और हरित परिवहन को मजबूत करने के लिए केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने दिल्ली के यशोभूमि में 'भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह 2025' का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने ई-मोबिलिटी को भविष्य की जरूरत बताते हुए कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य है- टिकाऊ, सुरक्षित और सुलभ परिवहन व्यवस्था तैयार करना।उन्होंने कहा कि भारत जैसे विकासशील और तेजी से बढ़ते देश के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बदलाव केवल तकनीकी सुधार नहीं बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है। यह न केवल जलवायु परिवर्तन से लड़ने का साधन है बल्कि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक लचीलेपन के लिए भी आवश्यक है।मल्होत्रा ने कहा कि मोदी सरकार ने ई-वाहनों को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना और फेम-II जैसी नीतियां लागू की हैं। इसके अलावा ईवी रेट्रोफिटिंग नियम और टोल टैक्स छूट जैसे कदमों के ज़रिए स्वच्छ, सुलभ और टिकाऊ परिवहन की दिशा में ठोस प्रगति हो

रही है। उन्होंने बताया कि सड़क, रेल और भंडारण को एकीकृत करते हुए विकसित किए जा रहे मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क अब हरित ऊर्जा प्रावधानों और ईवी-अनुकूल सुविधाओं से लैस किए जा रहे हैं। इससे लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी और उत्सर्जन घटेगा, जिससे भारत एक आधुनिक और कनेक्टेड ट्रांसपोर्ट हब बन सकेगा। उन्होंने कहा कि देश की जलवायु और परिवहन आवश्यकताओं के अनुरूप बैटरी भंडारण प्रौद्योगिकियों का विकास बेहद जरूरी है। उन्होंने उद्योग जगत से अनुसंधान, स्थानीय निर्माण, बैटरी रीसाइक्लिंग और पुनः उपयोग जैसे सर्कुलर समाधान अपनाने की अपील की।

राष्ट्रपति से मिले देशभर के प्रमुख जनजातीय प्रतिनिधि, समावेशी विकास पर हुई चर्चा

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख जनजातीय लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में मिला। इस अवसर पर आवास और शहरी कार्य एवं विद्युत मंत्री मनोहर लाल, जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम और जनजातीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री दुर्गादास उइके भी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति मुर्मु ने जनजातीय समुदाय के अनुभव, ज्ञान और उनकी अनमोल सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि यह हमारे राष्ट्र की बहुलता और विविधता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की सक्रिय भागीदारी से ही सच्चे अर्थों में समावेशी विकास संभव है। यह विशेष संवाद जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया, जो सरकार की सहभागी और विकेन्द्रीकृत शासन की दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है। इस पहल का उद्देश्य जनजातीय समाज की आवाज़ को नीति-निर्माण में शामिल करना और उनकी ज़रूरतों को बेहतर ढंग से समझकर विकास की मुख्यधारा में लाना है।राष्ट्रपति मुर्मु ने विश्वास जताया कि जनजातीय समाज की भागीदारी से भारत सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से और अधिक सशक्त होगा।

देश के ज्वलंत मुद्दों पर ही बोलें शशि थरूर, सरकार की तारीफ में शहनाई न बजाएं: सुखदेव भगत

एजेंसी
नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कांग्रेस नेता शशि थरूर और मोदी सरकार की विदेश नीति पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में मणिपुर हिंसा और विदेश नीति की विफलता पर अपनी राय रखी। साथ ही, गुजरात में कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर भी टिप्पणी की। सुखदेव भगत ने शशि थरूर को लेकर कहा कि उनके जैसे विद्वान नेता को देश के ज्वलंत मुद्दों पर बोलना चाहिए, न कि मोदी सरकार की तारीफ में शहनाई बजानी चाहिए। उन्होंने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय कोई भी देश भारत के साथ नहीं खड़ा हुआ। कांग्रेस सांसद ने कहा कि जब 12 देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नागरिक सम्मान दिए और 17 देशों की संसद को उन्होंने संबोधित किया, तब भी कोई भारत के साथ क्यों नहीं खड़ा हुआ? भगत ने मोदी सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाया। कहा, मणिपुर आज भी जल रहा है, लेकिन इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही। यह दुखद है। शशि थरूर को बुद्धिजीवी नेता बताते हुए

कहा, उन्हें अवसरवादी राजनीति से बचना चाहिए। बाढ़ के समय सांप, मैना और बिच्छू एक ही डाल पर बैठ जाते हैं, लेकिन यह अवसरवादिता है, न कि विचारधारा। थरूर से अपेक्षा है कि वो देशहित में सकारात्मक और भविष्योन्मुखी चर्चा करें।

सुखदेव भगत ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि कोर्ट ने आधार को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने की अनुमति दी है, जो सही है।

उन्होंने सवाल पूछा, जब बैंक खाते और अन्य सेवाएं आधार से जुड़ी हैं, तो चुनाव प्रक्रिया में आधार का उपयोग क्यों नहीं किया जा सकता? मुझे संदेह है कि चुनाव आयोग सत्ताधारी दल के दबाव में काम कर रहा है। फिर भी उम्मीद करता हूं कि आयोग निष्पक्ष रहेगा, किसी भी राजनीतिक दल का खिलौना नहीं बनेगा और प्रगतिशील सोच के साथ काम करेगा।

मनसुख मांडविया ने 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान को आगे बढ़ाने की अपील की

एजेंसी
नई दिल्ली, । केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने नागरिकों से 13 जुलाई को सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के साथ पूरे भारत में आयोजित होने वाले 31वें साइकिलिंग अभियान से पहले 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान की गति को ताकत के साथ जारी रखने का आग्रह किया है। पूरे भारत में 6,000 से ज्यादा जगहों पर आयोजित होने वाले इस 31 वें आयोजन में लगभग 50 हजार लोग हिस्सा लेंगे। इस सप्ताहांत के मुख्य आकर्षणों में से एक पूर्व वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट चैंपियन और भारत के एकमात्र हैवीवेट खिताब विजेता द ग्रेट खली की उपस्थिति होगी। सात फीट लंबे यह दिग्गज राष्ट्रीय राजधानी के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ इस साइकिलिंग रैली का नेतृत्व करेंगे। डॉ. मांडविया ने कहा, पिछले साल दिसंबर में एक छोटी सी शुरुआत से यह साइकिलिंग अभियान एक राष्ट्रव्यापी फिटनेस क्रांति बन गया है, जो 11 हजार से ज्यादा स्थानों पर आयोजित हो रहा है और लाखों नागरिकों को प्रेरित कर रहा है। हम साइकिल के हर पैडल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मोटापा मुक्त भारत के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं। आइए, साइकिल पर फिट इंडिया संडे एक नए भारत की भावना को प्रतिबिंबित करता रहे, और हम एक स्वस्थ, मजबूत और अधिक जीवंत विकसित भारत की ओर बढ़ते रहें। दिसंबर 2024 में डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा शुरू किया गया 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' एक प्रमुख राष्ट्रीय अभियान के रूप में विकसित हुआ है, जो लाखों नागरिकों को साइकिलिंग को जीवनशैली के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, यह आयोजन पूरे भारत में 11 हजार से अधिक स्थानों तक फैल चुका है, जिसमें विभिन्न आयु वर्गों के चार लाख से अधिक नागरिक शामिल हो रहे हैं। इस साइकिलिंग अभियान के विशेष साझेदार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) हैं और नई दिल्ली में खली उर्फ दलीप सिंह राणा के साथ 500 से ज्यादा साइकिल चालकों के शामिल होने की उम्मीद है। 52 वर्षीय दलीप 2006 में डब्ल्यूडब्ल्यूई द्वारा अनुबंधित होने वाले पहले भारतीय पेशेवर पहलवान बने थे। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के पिछले संस्करणों में सशस्त्र बलों से लेकर डाकियों तक को श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ सफाई कर्मचारियों और डॉक्टरों के साथ सहयोग जैसे विषय शामिल रहे हैं। इसका संदेश मोटापे के खिलाफ लड़ाई है।

संपादक की कलम से

बर्बर होते जाने और छवियां निहारने का युग

कुछ दिन पहले अमेरिका ने दावा किया कि उसने ईरान के तथाकथित परमाणु कार्यक्रम के तीन ठिकानों पर बमबारी की है। इजरायल-ईरान के युद्ध में अमेरिका का प्रवेश खतरनाक है और कई दुस्संभावनाओं को जन्म दे सकता है। युद्ध में दुनिया को झोंकने की सारी जिम्मेदारी दो लगभग विक्षिप्त हो गए राजनेताओं- बेंजामिन नेतन्याहू और डोनाल्ड ट्रम्प की है।

हम यह सब लाचार देख रहे हैं। हमें यह समझ में ही नहीं आ रहा है कि इतनी प्रगति और विकास के साथ-साथ दुनिया में शांति, अमन-चैन की चाह इतनी तेजी से घट कैसे गई है? सारे अंतरराष्ट्रीय संचार और संवाद के अत्यंत व्यापक और सक्षम माध्यमों के रहते अंतरराष्ट्रीय सुलह-सफाई की कोशिश इतनी मरियल क्यों है?

दुनिया विश्वयुद्ध के ही नहीं, नैतिकता और मानवीय अंतःकरण के अधःपतन के कगार पर है। इन सब हिंसक वृत्तियों को नियमित कर रही हैं व्यापारिक शक्तियां। बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में दुनिया में शांति, सहयोग और संवाद का वातावरण किसी हद तक बना था। वह तार-तार छिन्न-भिन्न हो रहा है। हिंसा का चारों दिशाओं में रौद्र तांडव हो रहा है और हम या तो उसमें शामिल हैं या उसके सिर्फ लाचार तमाशबीन।

मनुष्य के अपने संसार को नष्ट करने के नए-नए यंत्र-तंत्र विकसित कर लिए गए हैं और अब उनका व्यापक स्तर पर प्रयोग करने का मुकाम आ गया लगता है। सभ्यता अब बर्बरता का दूसरा नाम भर है। जो सबसे धनाढ्य, विकसित, शक्ति-संपन्न, साधनमय हैं, वे ही सबसे अधिक बर्बर साबित हो रहे हैं।

यह बर्बरता सिर्फ युद्धों या सैन्य घटनाओं भर में प्रगट नहीं हो रही है। उनको आम जिंदगी में भी बढ़ते-रमते देखा जा सकता है। दुनिया आज जितनी हिंसक, आक्रामक, असभ्य और बर्बर है, उतनी शायद बीसवीं शताब्दी में नहीं थी जबकि इस नई शताब्दी का अभी एक चौथाई ही बीता है। भारत से लेकर दुनिया के अनेक देशों में इस समय सत्ताधारी वे हैं जो हिंसा में लिप्त रहे हैं, उसे बढ़ावा देते हैं और जिन्हें अपार लोकप्रियता मिली हुई है।

हिंसा को जितना जनसमर्थन और लोकतांत्रिक वैधता आज मिली है, उतनी शायद पहले कभी नहीं थी।

रचने, बचाने और नष्ट करने की वृत्तियों में घमासान हो रहा है। लगता यह है कि नष्ट करने का उत्साह बहुत आगे निकल गया है और रचना-बचाना बहुत पीछे छूट रहा है। सारे स्वप्न दुस्स्वप्न बहुत हो चुके हैं और जो भी विकल्प हो सकते हैं, वे बहुत कमजोर और ऊर्जाहीन लगने लगे हैं। ऐसी घोर नाउम्मीदी के अंधेरे में लेखक-कलाकार चुप हो जाएं तो यह अपने समय की बर्बरता को मूक समर्थन देने जैसा दुखद होगा। जो भी हो, वे गवाह हो सकते हैं, अपनी गवाही दर्ज कर सकते हैं, इस सबमें अपनी शिरकत और जिम्मेदारी का निर्मम आत्मस्वीकार कर सकते हैं।

और, भले बेहद अपर्याप्त, उम्मीद, बदलाव, सपने और सभ्यता के पुनर्वास का विकल्प विन्यस्त करते रह सकते हैं। सत्यवादी अक्सर अकेले होते हैं, पर इससे उनके सच की आंच, लौ और जरूरत मंद नहीं पड़ती।

सीढ़ियां और चाबियां

हम जिस बर्बरता के दलदल में फंसते जा रहे हैं, उससे बाहर या ऊपर आने का कौन-सा उपाय हो सकते है? कई बार लगता है कि हमें सीढ़ियां चाहिए जिन पर किसी तरह चढ़कर हमें लगातार बढ़ते-घेरते कीचड़ से ऊपर उठ सकने, ऊपर जाने का कुछ उपाय मिल सके। सीढ़ियां चूंकि कीचड़ में ही धंसी होंगी, कुछ कीचड़ तो हमारे साथ ऊपर भी जाएगा ही। पर उसे हम बाद में धोकर साफ कर सकते हैं। भले इसका कोई आश्वासन नहीं है कि सीढ़ियां जहां भी ले जाएंगी, वहां कोई दूसरे किस्म का कीचड़ नहीं होगा। पर कोशिश कर कीचड़ से, यानी बर्बरता से उबर सकने की कोशिश का जोखिम तो हमें उठाना ही होगा। सीढ़ियों पर ऊपर उठना, उठते जाना आसान नहीं होगा और कई बार फिसल भी सकते हैं।

सवाल यह है कि क्या साहित्य और कलाएं ऐसी सीढ़ियां हो सकते हैं? हो तो सकते हैं, पर क्या उन्हें ऐसी सीढ़ियां हो सकने में कोई दिलचस्पी है? इस सवाल का सीधा आशय यह है कि क्या साहित्य और कलाओं को हम बर्बरता के विरुद्ध सन्नद्ध पा या कर सकते हैं।

शरीर में ये सात संकते बताते हैं अंदर ही अंदर कोई अंग कमजोर हो रहा है, डॉक्टर से जानें

हमारा शरीर बीमार होने से पहले कई तरह के संकेत देता है. अक्सर हम इन्हें थकान, उम्र या मौसम का असर समझकर नजरअंदाज कर देते हैं. लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि शरीर के कुछ छोटे-छोटे बदलाव ये इशारा कर सकते हैं कि अंदर ही अंदर कोई जरूरी अंग (५३ंह्ल ङ्ग१ँल्ल) जैसे हार्ट, किडनी, लिवर या लंग्स- कमजोर हो रहा है. अगर इन संकेतों को समय रहते पहचान लिया जाए तो किसी बड़ी बीमारी से बचा जा सकता है.

हमारा शरीर छोटी-छोटी चीजों के जरिए बड़ी परेशानियों का संकेत देता है. अगर आपको ऊपर दिए गए लक्षण लंबे समय से महसूस हो रहे हैं, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें. एउऋ्न, छऋ्नळ, ङऋ्नळ, ब्लड शुगर और विटामिन लेवल टेस्ट जैसी जांच करवाएं, ताकि किसी बीमारी को समय रहते पकड़ा जा सके. याद रखें, बीमारी को पहचानना इलाज से पहला और सबसे जरूरी कदम है.

ऐसे 7 लक्षण, जो दिखने पर आपको सतर्क हो जाना चाहिए
इन लक्षणों के बारे में पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. समीर भाटी ने बताया है

1. बार-बार थकान और कमजोरी महसूस होना
अगर आप बिना किसी भारी काम के भी जल्दी थक जाते हैं और दिनभर ऊर्जा की कमी महसूस करते हैं, तो यह सिर्फ लो बीपी या स्ट्रेस नहीं, हार्ट या लिवर फंक्शन कमजोर होने का संकेत हो सकता है.

2. चेहरे, आंखों या पैरों में सूजन आना
सुबह उठते ही अगर चेहरे या आंखों के आसपास सूजन दिखाई दे या शाम होते-होते पैरों में सूजन आ जाए, तो यह किडनी या लीवर की खराबी का संकेत हो सकता है.

3. सांस फूलना या सीढ़ियां चढ़ते वक्त घबराहट होना
थोड़ी सी चहलकदमी में ही सांस फूलना, दिल तेजी से धड़कना या सीने में भारीपन महसूस होना, कमजोर दिल या फेफड़ों की बीमारी की ओर इशारा कर सकता है.

4. भूख कम लगना और पेट जल्दी भर जाना
अगर आपकी भूख अचानक कम हो गई है और थोड़ा-सा खाने पर भी पेट फूलने लगता है, तो ये लिवर या पाचन तंत्र में गड़बड़ी का शुरूआती लक्षण हो सकता है.

5. यूरिन का रंग गहरा या झागदार होना
अगर पेशाब का रंग बहुत पीला, गाढ़ा या झागदार हो रहा है, तो यह किडनी के खराब होने या प्रोटीन लीकेज का संकेत हो सकता है.

6. त्वचा का पीला पड़ना या आंखों में पीलापन
ये संकेत जॉन्डिस या लिवर फेलियर के हो सकते हैं. त्वचा की रंगत में बदलाव और आंखों की सफेदी का पीला होना लिवर की कार्यक्षमता में कमी दिखाता है. यदि आपको बार-बार चक्कर आते हैं, शरीर कमजोर महसूस करता है या अचानक आँखों के सामने अंधेरा छा जाता है, तो यह ब्लड सकुर्लेशन या हार्ट के खराब काम का परिणाम हो सकता है.

महाराष्ट्र : एक बार फिर से दहाड़ रहा है बाघ

लेखा रत्तनानी

चचेरे भाइयों के एक साथ आने के कई फायदे हैं लेकिन यह देखने की आवश्यकता होगी कि मराठी का हालिया मुद्दा उन्हें किस मोड़ पर ले जाएगा। वर्षों से राज्य में रहने के बावजूद मराठी नहीं बोलने वाले गैर-महाराष्ट्रियों को आतंकित करने और धमकी देने के कई मामलों में मनसे कार्यकर्ता शामिल रहे हैं । भाषा पर गर्व होने से निकाय चुनावों के लिए अभियान को गति देने में उन्हें मदद मिल सकती है। बालासाहेब केशव ठाकरे द्वारा 1966 में शिवसेना की स्थापना के बाद से लगभग छह दशकों तक उनकी पार्टी एक ऐसे राज्य में राजनीति की केंद्र रही है जो पारम्परिक रूप से कांग्रेस शासित था। पश्चिमी महाराष्ट्र के शक्कर क्षत्रपों का राज्य पर नियंत्रण था। दहाड़ता बाघ शिवसेना का पर्याय बन गया था। शिवसेना जल्द ही 'मराठी मानुष' के लिए नौकरियों की तलाश करने वाले एक सामाजिक संगठन से हिंदू हितों की हिमायत करने वाली राजनीतिक पार्टी में बदल गई। एक क्षेत्रीय संगठन से साम्प्रदायिक संगठन में बदलाव, सड़क से राज्य स्तर की पार्टी बनने की प्रक्रिया इसके संस्थापक की लोकप्रियता के आसपास घूम रही थी। शिवसेना को 1989 में धनुष-बाण चुनाव चिह्न प्रदान किया गया और शिवसेना पूरे राज्य और महाराष्ट्र से बाहर भी पहचानी जाने लगी लेकिन जैसे-जैसे वह विभाजित और बंटती चली गयी, उसका दबदबा लगातार घटता गया। चुनाव आयोग ने फरवरी, 2023 में शिवसेना के एक गुट को पार्टी का चुनाव चिन्ह प्रदान किया और बाघ की दहाड़ कम हो गयी। अलग होने के दो दशक बाद अब बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे और भतीजे राज ठाकरे फिर से मिल गए हैं। 2005 के बाद से 5 जुलाई 2025 को वर्ली में आयोजित एक संयुक्त रैली उनका पहला साझा मंच था। 'आवाज मराठीचा' या 'मराठी की आवाज' रैली का आयोजन प्राथमिक स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य बनाने के महाराष्ट्र सरकार के प्रस्ताव के विरोध में किया गया था। त्रिभाषा फॉमूर्ले को हिंदी थोपने के रूप में देखा जाता है। इस फामूर्ले का दक्षिणी राज्यों में विरोध हो रहा है। तमिलनाडु में हिंदी का सबसे कड़ा विरोध हो रहा है। वहां इसे राज्य की भाषाई पहचान को कमजोर करने और केंद्र सरकार के सांस्कृतिक प्रभुत्व के प्रयास को आगे

बढ़ाने के प्रयास के रूप में देखा जाता है। महाराष्ट्र में इसने ठाकरे बन्धुओं को उस जमीन को पुनः प्राप्त करने के लिए एक अवसर प्रदान किया जिसे वे लगातार खो रहे थे। अपनी प्रासंगिकता को पुनः प्राप्त करने के लिए उन्होंने अब मराठी पहचान के एक शक्तिशाली आख्यान को पुनर्जीवित किया है। अह्लरङ्क फीं - मजदूरों की अखिल भारतीय हड़ताल की बड़ी सफलता एक चेतावनी राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) लंबे समय तक सक्रिय रहने के बाद भी कुछ खास राजनीतिक प्रगति नहीं कर पाई है। 2024 के चुनावों में मनसे 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा में एक भी सीट नहीं जीत पाई जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) केवल 20 सीटें ही जीत सकी। बाल ठाकरे के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती शिवसेना में खतरे, भय और करिश्मे के मिश्रण ने कैडर और समर्थकों दोनों को कंट्रोल में रखा। राज ठाकरे ने हमेशा मसल पॉवर और गरज के साथ पार्टी का नेतृत्व किया। उन्होंने पार्टी की छात्र शाखा भारतीय विद्यार्थी सेना का गठन किया और बाद में 1990 के विधानसभा चुनावों में शिवसेना उम्मीदवारों के लिए राज्य भर में प्रचार अभियान शुरू किया। उन्हें अपने चाचा के उत्तराधिकारी के रूप में देखा गया। शैली, ढंग और वाणी में वे बाल ठाकरे के करीब थे। जब विरासत की जिम्मेदारी बाल ठाकरे के बेटे और उनके चचेरे भाई उद्धव के पास गई तो वे वहां से हट गए। भाजपा ने उद्धव के साथ साझा नेतृत्व का वादा किया था लेकिन यह वादा निभाया नहीं। नाराज उद्धव ने भाजपा पर विश्वासघात का आरोप लगाने के बाद 2019 में राज्य पर शासन करने के लिए कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ गठबंधन किया। भाजपा ने शिवसेना को तोड़कर राज्य में सत्तारूढ़ शिवसेना से अलग हुए एक धड़े के नेता एकनाथ शिंदे के साथ गठबंधन किया। इसके बाद वे एनसीपी को विभाजित करने के लिए आगे बढ़े। शरद पवार के भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाला एक अलग एनसीपी गुट अब भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति या महागठबंधन का हिस्सा है जो महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन है। चचेरे भाईयों का मुख्य उद्देश्य भाजपा को चुनौती देना और फिर से जमीन हासिल करना है क्योंकि दोनों भाईयों की निकाय चुनावों पर नजर है। इनके लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण वृहद मुंबई नगर निगम के चुनाव हैं जो एशिया में सबसे अमीर नागरिक निकाय है और कई भारतीय राज्यों से इसका वार्षिक बजट बड़ा है। 2025-26 के लिए इसका बजट 74, 400 करोड़ रुपये से अधिक है। इस समय भाजपा 132 सीटों के साथ राज्य में मुख्य पार्टी है। आगामी निकाय चुनाव दिखाएंगे कि क्या भाजपा अपना यह रुतबा कायम रख सकती है। शिवसेना से अलग हुई पार्टी के प्रमुख एकनाथ शिंदे ठाकरे की राज्य विधानसभा में 52 सीटें हैं। शिंदे ही ठाकरे परिवार के पुनर्मिलन के नए घटनाक्रम के मद्देनजर सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले नेता हैं। खुद को बाल ठाकरे के असली उत्तराधिकारी के रूप में पेश करने वाले शिंदे की शिवसेना सुप्रीमो के बेटे और भतीजे के सामने कोई हैसियत नहीं रह जाएगी। चचेरे भाइयों के एक साथ आने के कई फायदे हैं लेकिन यह देखने की आवश्यकता होगी कि मराठी का हालिया मुद्दा उन्हें किस मोड़ पर ले जाएगा। वर्षों से राज्य में रहने के बावजूद मराठी नहीं बोलने वाले गैर-महाराष्ट्रियों को आतंकित करने और धमकी देने के कई मामलों में मनसे कार्यकर्ता शामिल रहे हैं । भाषा पर गर्व होने से निकाय चुनावों के लिए अभियान को गति देने में उन्हें मदद मिल सकती है लेकिन यदि वे ताकत की राजनीति अपनाते हैं तो यह नीति गैर-मराठी मतदाताओं की पर्याप्त संख्या को अलग-थलग कर सकती है। मनसे कैडर ने अतीत में बिहार और उत्तर प्रदेश के प्रवासियों पर हमले किये हैं एवं उन पर स्थानीय लोगों की नौकरियां छीनने का आरोप लगाया है। नया गठबंधन महाराष्ट्र की राजनीतिक कहानी में एक मोड़ जोड़ रहा है लेकिन इस जोड़ी में अस्थिरता तथा मतभेद हैं जो दोनों के बीच दीर्घकालिक जुड़ाव के बारे में संदेह पैदा करते हैं। उद्धव ठाकरे अपनी सौम्य और शांत कार्यशैली के साथ विपक्ष में अपने नए सहयोगियों के साथ तालमेल बिठाने में अधिक सफल रहे हैं जबकि राज ठाकरे की दहाड़ जारी है और उनके कैडर ने मुंबई में प्रवासियों को अलग-थलग करने का जोखिम उठाया है। मुंबई में काम करने वालों में प्रवासियों का बड़ा हिस्सा है। अनुमान कम-ज्यादा हो सकते हैं लेकिन 2011 की जनगणना के अनुसार मुंबई की आबादी में प्रवासियों की संख्या 43 प्रतिशत से अधिक थी। इसमें उत्तर प्रदेश के प्रवासियों की संख्या लगभग 41 प्रतिशत थी। पिछले कुछ वर्षों में, विशेष रूप से 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद से महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी दोनों के टूटने के साथ बहुत सारे राजनीतिक उतार-चढ़ाव देखे गए हैं। परिवर्तनों की तेज रफ्तार तथा बड़ी संख्या ने मतदाता को भ्रमित किया है कि कौन किसके साथ है? क्या ठाकरे गठबंधन इस अस्थिर परिदृश्य में कुछ बदलाव ला सकता है? यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्या वे कामकाज की दो अलग-अलग शैलियों में समन्वय बिठा सकते हैं। कह नहीं सकते कि बाल ठाकरे के वर्षों के जादू को फिर से कायम करने में दोनों चचेरे भाई सक्षम होंगे या उसके कुछ करीब तक पहुंच सकते हैं अथवा नहीं।

(लेखक द बिलियन प्रेस की प्रबंध संपादक हैं। सिंडिकेट: द बिलियन प्रेस)

कहीं भारत की कमजोरियों का लाभ न उठा ले दुनिया

वर्षा भम्भाणी

मिर्जा इन दो-तीन दिनों में जो हुआ वह गौर करने लायक है। बिहार के मतदाताओं की समस्या, महाराष्ट्र में भाषा का पासा आदि तो जारी है ही, फिलहाल देश की छवि को जो नुकसान उद्योगपति और ट्विटर (अब एक्स) के मालिक एलन मस्क ने पहुंचाया है, वह बताता है कि अगर सरकार प्रेस विरोधी सोच रखती है तो फिर आपका इस्तेमाल यूं भी हो सकता है। एक राजा था। बड़े ही गाजे-बाजे के साथ उसका राज्याभिषेक हुआ था। वह दिखता तो बहुत आत्मविश्वासी था लेकिन उसे हमेशा यह डर बना रहता था कि कहीं उसका राज-पाट छिन न जाए। राजसी परिवार के वृक्ष में से कुछ के खलबली का अंदेशा भी उसे बना रहता। वह आए दिन इसी चिंता में लगा रहता और अपने दरबारियों को ऐसा करने की खुली छूट देता जिससे जनता में यह संदेश जाए कि केवल वही इस पद के सर्वथा योग्य है और शेष सब नाकारे और निकम्मे हैं। राजा के इस डर से दरबारी और उनके जानने वाले तो वाकिफ थे ही लेकिन अब तो दुश्मनों को भी खबर हो गई थी। उन्होंने भी भांप लिया था कि राजा डरता है और इसका फायदा उन्हें मिल सकता है। राजा के गद्दी बचाने के तमाम हथकंडों को उसकी रियाया भी समझ रही थी लेकिन उसे अपने राज्य की फिक्र थी। दुश्मनों को भला प्रजा की क्या परवाह होती? वह बस केवल मौके की तलाश रहते। राजा की सत्तालिप्सा और डर उन्हें बैठे-बिठाए यह सब उपलब्ध करा रहा था। दरबारी और चाटुकार अपना रौब-दाब बनाए रखने के लिए किसी भी हद तक चले जाते थे बिना इस बात की परवाह किये कि इस राजा के पुरखों ने राजदंड के साथ कुछ नियम कायदे भी जोड़े थे। यहां राजा कृष्णदेव राय की तरह न कोई तेनालीराम था और न अकबर की तरह कोई बीरबल। चापलूस किस्म के कुछ तो राजा को खुश करने के लिए कुछ ज्यादा ही घी का इस्तेमाल कर लेते थे जो अब बह कर राज्य की सीमा से आने लगा था। इन दो-तीन दिनों में जो हुआ वह गौर करने लायक है। बिहार के मतदाताओं की समस्या, महाराष्ट्र में भाषा का पासा आदि तो जारी है ही, फिलहाल देश की छवि को जो नुकसान उद्योगपति और ट्विटर (अब एक्स) के मालिक एलन मस्क ने पहुंचाया है, वह बताता है कि अगर सरकार प्रेस विरोधी सोच रखती है तो फिर आपका इस्तेमाल यूं भी हो सकता है। एलन मस्क की टीम ने 'एक्स' पर लिखा कि बीते सप्ताह भारत सरकार ने 'एक्स' पर मौजूद 2 हजार 35 एकाउंट्स बंद कर देने के लिए कहा जिसमें अंतरराष्ट्रीय न्यूज एजेंसी रायटर्स के दो अकाउंट भी शामिल थे। देश दुनिया में हल्ला मचना ही था। मचा भी, कि भारत में अभिव्यक्ति की आजादी का गला यूं घोंटा जा रहा है। देश तो जानता है कि इस सरकार को अपनी शान के खिलाफ एक पोस्टर, बयान, ट्वीट और गीत तो क्या मसखरों का मजाक भी मंजूर नहीं है। बड़े उद्योगपति मस्क जो भारत में सैटेलाइट इंटरनेट स्टारलिंक को लाने की तैयारी लगभग कर चुके हैं, उनके द्वारा न्यूज एजेंसी रायटर्स के बारे में ऐसा बयान आते ही सरकार तो जैसे सफाई देने की मुद्रा में ही आ गई। 'एक्स' ने इन अकाउंट्स के फि क्र के साथ लिखा कि यह 'ऑनगोइंग प्रेस सेंसरशिप इन इंडिया' यानी भारत में जारी प्रेस सेंसरशिप के हालात जाहिर करता है। इसके बाद सरकार तुरंत हरकत में आई और कहा कि हमने 3 जुलाई को कोई नया आदेश नहीं दिया। रायटर्स को ब्लॉक होने के बाद हमने तुरंत एक्स का ध्यान इस तरफ दिलाया और उसने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए काफी समय खराब कर दिया और फिर पूरे 21 घंटों बाद इस प्रतिबंध को हटाया। ऐसा 5 जुलाई को इलेक्ट्रॉनिस और सूचना तकनीकी मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था। इसके पहले 3 जुलाई को एक्स ने अपने वैश्विक सरकारी मामलों के हैंडल पर लिखा कि भारत ने 2355 खातों को, जिनमें रायटर्स (ढाई करोड़ फॉलोवर्स) और रायटर्स वर्ल्ड (71 करोड़) शामिल थे, आईटी की धारा 69 'ए' के तहत नोटिस जारी करने के बाद किया गया। पोस्ट में लिखा गया कि जब पूरी दुनिया में विरोध हुआ तब एजेंसी के दोनों खातों को बहाल करने का अनुरोध किया गया। एक्स का यह भी कहना था कि भारत सरकार के कानून उन्हें यूजर्स को खाते जारी रखने से रोकते हैं। टीम ने एक पोस्ट में लिखा- 'एक्स सभी उपलब्ध कानूनी विकल्प तलाश रहा है लेकिन उसके हाथ बंधे हुए हैं। मौजूदा भारतीय कानून इन कार्यकारी आदेशों के विरुद्ध विधिक चुनौती देने से रोकते हैं। हम प्रभावित यूजर्स से आग्रह करते हैं कि वे अदालतों के माध्यम से कानूनी राहत पाने का प्रयास करें।' यहां यह जानना भी दिलचस्प होगा कि अगले ही दिन यानी 10 जुलाई को भारत के समाचारपत्रों में रायटर्स न्यूज एजेंसी के हवाले से ही यह खबर भी छपती है कि एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू करने के लिए अंतिम मंजूरी मिल गई है। इससे पहले इसी साल मार्च में भी एलन मस्क की कंपनी एक्स ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में सरकार को चुनौती देते हुए कहा था कि -भारत में अधिकारियों को यह शक्ति दे दी गई है कि वे कभी भी सोशल मीडिया के खातों पर प्रतिबंध लगाने का डंडा चला सकते हैं। अह्लरङ्क फीं - मजदूरों की अखिल भारतीय हड़ताल की बड़ी सफलता एक चेतावनी यह घटना बताती है कि भारत के नेताओं की राजनीतिक असुरक्षा की भनक दुनिया के चतुर सुजानों को लग चुकी है और वे मौका मिलने पर अपने हित में हालात को भुना सकते हैं। वैसे यह गफलत ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत विरोधी बयानबाजों से निपटने के लिए और पाकिस्तानी खातों को प्रतिबंधित करने के सिलसिले से शुरू हुई जिसमें शायद समाचार एजेंसी रायटर्स भी शामिल हो गई। बहरहाल भारत में प्रतिबंधों और प्रेस की आजादी को कुचलने का सिलसिला कोई नया नहीं है। पत्रकारों के घर छापे, विदेशी पत्रकारों को देश से निकलने के कई मामले सामने आए हैं। दिल्ली में काम कर रही फ्रांसिसी रिपोर्टर वेनेसा डोनिएक के साथ भी यही हुआ। उन्हें जबरदस्ती देश से बाहर भेज दिया गया जबकि वे 23 सालों से भारत में पत्रकारिता कर रही थीं और एक भारतीय से ही उन्होंने शादी भी की थी। सरकार का कहना था की वे भारत के प्रति पक्षपाती और नकारात्मक रवैया रखती थीं। बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री 'इंडियाः द मोदी क्वेश्चन' जो 2002 के गुजरात दंगों से लेकर भारत में मुसलमानों के हालात और नरेंद्र मोदी से उनके रिश्तों पर आधारित है, उसे भी बैन कर दिया गया था। बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री के पहले अंक के रिलीज होने के बाद ही भारत सरकार ने इसे एकतरफा दुष्प्रचार और औपनिवेशिक मानसिकता बताकर प्रतिबंधित कर दिया था। ऐसा तब था जब डॉक्यूमेंट्री को बीबीसी ने भारत में रिलीज ही नहीं किया था। फिर भी सरकार ने रोक लगाई जिससे डॉक्यूमेंट्री को और प्रचार मिला था। सरकार चलाने वालों की असुरक्षा जब-तब सामने आ ही जाती है। कभी न्यूज एजेंसी तो कभी पत्रकार, कभी छात्र और यहां तक कि जज भी उसके निशाने पर आ जाते हैं। तत्कालीन कानून मंत्री किरण रिजिजू ने तो सेवानिवृत्त जजों को ही 'एंटी इंडिया गैंग' का हिस्सा बता दिया था। उन्होंने कहा था- 'कुछ रिटायर्ड जज ऐसे हैं जो एंटी इंडिया गैंग का हिस्सा हैं।

स्वास्थ्य व पर्यावरण के हित में दवाओं का सुरक्षित निपटान

देश की शीर्ष औषधि नियामक संस्था, सीडीएससीओ (केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन) ने कुछ दवाओं के एक्सपायरी डेट समाप्त हो जाने या उनका इस्तेमाल न होने पर फेंकने के बजाय उन्हें शौचालय में बहा देने का जो सुझाव दिया है, वह मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से दूरगामी महत्व का है. सीडीएससीओ ने ऐसी 17 दवाओं की सूची जारी की है, जिनमें ट्रामाडोल, टेंपेटाडोल, डायजेपाम, ऑक्सीकोडोन, फेंटेनाइल, मॉर्फिन सल्फेट आदि हैं. इनमें से अधिकांश दवाओं का उपयोग तीव्र या पुराने दर्द, मांसपेशियों में खिंचाव या चोट, चिंता या घबराहट, सर्जरी के बाद दर्द कम करने और नींद न आने पर किया जाता है. कुछ मामलों में तो इनकी एक खुराक भी बहुत घातक साबित हो सकती है. जिस व्यक्ति के लिए दवा निर्धारित की गयी, उसके बजाय किसी और व्यक्ति द्वारा इनका सेवन भी घातक हो सकता है.

इन दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण पहलू है. इन दवाओं को शौचालय में बहा देने से घर के लोगों और पालतू जानवरों को इनके नुकसान से बचाया जा सकता है. वन्यजीवों या लोगों द्वारा उपयोग किये जाने वाले जलस्त्रोतों में अगर ये दवाएं मिल जायें, तो उनके लिए यह बेहद

खतरनाक साबित हो सकता है. अनुचित निपटान के कारण कई बार ये दवाएं जलस्त्रोतों में पहुंच जाती हैं, जिसका मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है. सीडीएससीओ ने अपने ह्यमार्गदर्शन दस्तावेजह्ल में कहा है कि पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक्सपायर्ड या अप्रयुक्त दवाओं का सुरक्षित और उचित निपटान महत्वपूर्ण है. इस दस्तावेज का उद्देश्य औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम एवं नियमों तथा अन्य लागू कानूनों के अनुसार समाप्त हो चुकी और अप्रयुक्त दवाओं के सुरक्षित निपटान के लिए स्पष्ट और व्यापक निर्देश प्रदान करना है.

इस दस्तावेज में राज्य औषधि नियंत्रण विभागों तथा संबंधित केमिस्ट और ड्रगिस्ट एसोसिएशन को संयुक्त रूप से चुनींदा स्थानों पर ह्यड्रग टेक बैकह्ल कार्यक्रम शुरू करने की सलाह दी गयी है।

इजराइल के लड़ाकू विमान मध्य गाजा में गरजे, हमास आतंकी ढेर, 13 अन्य की मौत

गाजा पट्टी। इजराइल ने आज सुबह मध्य गाजा में जोरदार हवाई हमला किया। उसके लड़ाकू विमानों ने भारी तबाही मचाई है। मिसाइल, रॉकेट और बम हमले में हमास का एक कुख्यात आतंकी मारा गया। इस हमले में 13 फिलिस्तानी नागरिकों की भी जान चली गई। द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबर के अनुसार इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि मध्य गाजा में किए गए हवाई हमले में 13 लोगों के मारे जाने की सूचना आई है। मारा गया हमास आतंकी 7 अक्टूबर के हमले में शामिल था। आईडीएफ के बयान के मुताबिक सैनिकों ने मध्य गाजा के देर अल-बला में छुपे हमास के आतंकवादी को निशाना बनाया। फिलिस्तीनी मीडिया ने दावा किया कि इस हवाई हमले में आठ महिलाओं और बच्चों सहित 13 लोग मारे गए हैं। इस पर आईडीएफ ने खेद जताते हुए कहा कि इस दावे की जांच की जा रही है। जॉर्डन न्यूज पोर्टल ने इजराइल के इस हमले पर प्रसारित खबर में दावा किया कि आज सुबह इजराइल के युद्धक विमानों ने मध्य गाजा के डेर अल-बला में बच्चों के लिए पोषण संबंधी खुराक लेने के लिए कतार में खड़े नागरिकों के एक समूह पर बमबारी की। इसमें 13 फिलिस्तीनी मारे गए। इनमें अधिकतर बच्चे और महिलाएं हैं।

वेस्ट बैंक के पश्चिमी तट पर आतंकी हमले में इजराइली युवक की मौत, दो संदिग्ध मारे गए

तेल अवीव। इजराइल के नियंत्रण वाले वेस्ट बैंक के पश्चिमी तट के गुश एट्जियन जंक्शन के एक सुपर मार्केट में आज हुए आतंकी हमले एक युवक की मौत हो गई। इजराइल पुलिस और इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) की जवाबी प्रतिक्रिया में दो संदिग्ध मारे गएद यरूशलम पोस्ट अखबार की खबर के अनुसार इजराइली पुलिस और आईडीएफ ने आतंकी हमले में कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि की है। इनमें से कुछ लोगों ने दम तोड़ दिया। मैगन डेविड एडोम के महानिदेशक एली बिन ने कहा कि इस हमले में 20 वर्षीय इजराइली युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इजराइल के अधिकारियों ने कहा है कि कम से कम दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया है। हालांकि, द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबर में कहा गया है कि इस आतंकी हमले में 20 वर्षीय इजराइली युवक जख्मी हुआ है। यह हमला गुश एट्जियन जंक्शन स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में हुआ। आईडीएफ ने सारे इलाके को घेर लिया है। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में जवान तैनात हैं। दो हमलावरों को मार गिराया गया है। इन दोनों ने इस कॉम्प्लेक्स में स्थित सुपर मार्केट में लोगों पर चाकू से वार कर गोलीबारी की। आईडीएफ के अधिकारियों का कहना है कि यह स्थान तेल अवीव से लगभग 70 मील दूर है। वहां मौजूद अधिकारियों से और अधिक ब्यौरे का इंतजार किया जा रहा है।

जुलाई के नरसंहार केस में शेख हसीना और तीन अन्य के खिलाफ औपचारिक मुकदमा शुरू

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और तीन आरोपितों के खिलाफ आज अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 में औपचारिक मुकदमा शुरू हो गया। चारों पर पिछले साल जुलाई में हुए जन-विद्रोह के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराधों में शामिल होने का गंभीर आरोप है। इस केस में गिरफ्तार पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल मामून ने न्यायाधिकरण से सरकारी गवाह बनने की इच्छा व्यक्त की है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मोजुमदार की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 ने आज सुनवाई के दौरान अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना समेत चारों आरोपितों के खिलाफ औपचारिक आरोप तय करने का आदेश दिया। इस दौरान पूर्व पुलिस महानिरीक्षक मामून ने न्यायाधिकरण को सूचित किया कि वह स्वेच्छा से सरकारी गवाह बनना चाहते हैं। अन्य दो आरोपितों में पूर्व गृहमंत्री असदुज्जमां खान कमाल और चौधरी अब्दुल्ला अल मामून हैं। इस केस में अभी तक सिर्फ पूर्व आला पुलिस अधिकारी चौधरी मामून को ही गिरफ्तार किया जा सका है। न्यायाधिकरण शेख हसीना और असदुज्जमां खान को भगोड़ा घोषित कर चुका है। अभियोजन पक्ष ने कहा है कि चौधरी अब्दुल्ला अल मामून ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए सरकारी गवाह बन गया है। इसी के साथ शेख हसीना और तीन अन्य के खिलाफ औपचारिक मुकदमा शुरू हो गया।

पाकिस्तान में राष्ट्रपति जरदारी से इस्तीफा मांगने की चर्चा को गृहमंत्री नकवी ने बताया अफवाह

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कई दिन से यह चर्चा है कि संघीय सरकार ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से इस्तीफा मांगा है। इस पर चुप्पी साधे शहबाज सरकार ने आज पहली बार मुंह खोला। सफाई देने के लिए गृहमंत्री मोहसिन नकवी को सामने किया गया। नकवी ने कहा कि यह मात्र अफवाह है। डॉन अखबार की खबर के अनुसार नकवी ने एक्स पोस्ट के माध्यम से संघीय सरकार का पक्ष सामने रखा। उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख को निशाना बनाकर चलाए जा रहे इस दुर्भावनापूर्ण अभियान के पीछे कौन है, इसकी हमें पूरी जानकारी है। उन्होंने लिखा, मैंने स्पष्ट रूप से कहा है कि राष्ट्रपति से इस्तीफा मांगे जाने या सेना प्रमुख के राष्ट्रपति पद संभालने की इच्छा रखने के बारे में न तो कोई चर्चा हुई है और न ही ऐसा कोई विचार है।

कनाडा में कपिल शर्मा के कैफे में गोलीबारी से भारतीय उद्यमियों में दहशत

एजेंसी

सरे (कनाडा)। भारतीय हास्य कलाकार और अभिनेता कपिल शर्मा के हाल ही में यहां खुले कैप्स कैफे (रेस्टोरेंट) पर हुई गोलीबारी से भारतीय उद्यमी डरे हुए हैं। यहां रह रहे भारतीय समुदाय ने कनाडा सरकार से तत्काल सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की गुहार लगाई है। इस बीच कपिल के कैफे ने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा कि वह इस सदमे से उबर रहा है लेकिन हिंसा के खिलाफ अडिग हैं। कैफे की टीम ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए अपना दर्द साझा किया। वैंकूवर सन अखबार की खबर के अनुसार, जून से अब तक सरे शहर में दक्षिण एशियाई व्यापारिक समुदाय को प्रभावित करने वाली गोलीबारी की पांच वारदात हो चुकी हैं। एबॉट्सफोर्ड निवासी और व्यवसायी सतविंदर शर्मा (56) की 11 जून को गोली मारकर हत्या की जा चुकी है। इससे पहले लक्ष्मी नारायण मंदिर के अध्यक्ष और रिफ्लेक्शन बैंक्वेट

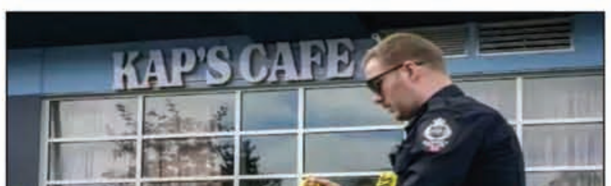

हॉल्स के भी मालिक कुमार पर सात जून को गोलीबारी की गई। कई साल पहले उनके कारोबारी स्थल पर भी फायरिंग की गई थी। कुमार ने कहा कि इस समय सरे में रहना बहुत मुश्किल हो रहा है। यहां बहुत अधिक अपराध हो रहे हैं। हर दिन गोलीबारी हो रही है। कुमार ने कहा कि पुलिस ने कपिल के कैफे पर गुरुवार की गोलीबारी की घटना को हाल ही में हुई जबरन वसूली से जुड़े अपराधों से नहीं जोड़ा है, लेकिन स्थानीय समुदाय के लिए इन घटनाओं के बीच संबंध न देखना मुश्किल है। कुमार ने जबरन वसूली के मामलों में गिरफ्तारी कराने वाले सुराग के लिए 100,000 डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है। कुमार ने कहा कि सरे के बड़े-छोटे उद्यमी अब अपना व्यवसाय बंद करके कहीं और जाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस समय हर कोई इस बात को लेकर डरा हुआ है कि इस देश में कैसे रहना है। उनका एक बैंक्वेट हॉल है, लेकिन लोग अब वहां आने से डरते हैं। हमारे परिवार भी डरे हुए हैं, क्योंकि पता नहीं कल क्या होगा। सरे के स्टाफ सार्जेंट लिंडसे ह्यूटन ने कहा कि पुलिस को भारतीय मीडिया में आई उन खबरों की जानकारी है, जिनमें कहा गया है कि एक खालिस्तानी अलगाववादी ने गोलीबारी की जिम्मेदारी ली है। इस बीच कपिल के कैफे ने बयान में कहा कि हमने स्वादिष्ट कॉफी और दोस्ताना बातचीत के जरिए गर्मजोशी, समुदाय और खुशी लाने की उम्मीद के साथ कैप्स कैफे खोला था।

यूक्रेन संघर्ष विराम के बाद यूरोपीय शांति मिशन के लिए यूरोपीय गठबंधन तैयार : स्टारमर

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा है कि यूक्रेन में युद्धविराम की स्थिति उत्पन्न होने पर यूरोपीय देशों का इच्छुक राष्ट्रों का गठबंधन (कोलिशन ऑफ द विलिंग) अब एक सुव्यवस्थित और परिपक्व शांति योजना के साथ तैयार है। उन्होंने कहा कि यह योजना महीनों की तैयारी का परिणाम है।

अब इसे दीर्घकालिक आधार पर लागू करने के लिए तैयार किया जा चुका है। स्टारमर ने यह घोषणा लंदन के नॉर्थवुड स्थित एलाइड मरीटाइम कमांड केंद्र में एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान की, जहां वे फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अन्य गठबंधन साझेदारों के साथ मौजूद रहे। स्टारमर ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संघर्षविराम की स्थिति आने पर यूक्रेन सबसे मजबूत स्थिति में हो। यूरोपीय सहयोगियों की यह योजना पूरी तरह से तैयार है और अब इसे भविष्य के लिए एक स्थायी ढांचे में बदला जा रहा है। राष्ट्रपति मैक्रों ने भी बैठक में भाग लेते हुए स्पष्ट किया कि गठबंधन के पास एक ऐसा कार्ययोजना है।

जिसे युद्धविराम की घोषणा के कुछ ही घंटों में लागू किया जा सकता है। इस गठबंधन का नया मुख्यालय पेरिस में स्थापित किया जाएगा। बैठक में स्टारमर के साथ रक्षा मंत्री जॉन हीली, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन पॉवेल और रक्षा स्टाफ के प्रमुख एडमिरल सर टोनी राडाकिन मौजूद रहे। फ्रांसीसी पक्ष से राष्ट्रपति मैक्रों के साथ रक्षा मंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू और अन्य शीर्ष अधिकारी उपस्थित रहे।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी अर्थशास्त्री अबुल बरकत गिरफ्तार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के एक और करीबी पर अंतरिम सरकार ने शिकंजा कसा है। देश के प्रमुख अर्थशास्त्री और जनता बैंक के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अबुल बरकत को गुरुवार देररात ढाका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनकी गिरफ्तारी एनॉनटेक्स समूह से जुड़े 297 करोड़ टका के गबन के आरोप में की गई है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की आज सुबह प्रसारित खबर के अनुसार, संयुक्त आयुक्त नसीरुल इस्लाम ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि ढाका मेट्रोपॉलिटन डिटेक्टिव ब्रांच ने गुरुवार रात करीब 11=30 बजे धनमंडी-2 से बरकत को हिरासत में लिया। भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने 20 फरवरी को बरकत और 22 अन्य लोगों के खिलाफ एनॉनटेक्स समूह के अंतर्गत 22 संस्थाओं को कथित रूप से अवैध ऋण देने का मामला दर्ज किया था। आरोप

लगाया गया है कि बरकत ने बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर अतीउर रहमान और अन्य लोगों के साथ मिलकर धनराशि वितरित करने के लिए जाली दस्तावेजों में मिलीभगत की। आयोग का दावा है कि इससे सार्वजनिक कोष को भारी नुकसान हुआ। प्रो. बरकत ढाका विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष और बांग्लादेश अर्थशास्त्र संघ के अध्यक्ष रह चुके हैं। अवामी लीग सरकार ने उन्हें जनता बैंक के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया था।

'नेपाल को तिब्बत के हिम ताल का तटबंध टूटने की सूचना चीन ने नहीं दी, इसलिए बाढ़ से हुई तबाही'

एजेंसी

काठमांडू। चीन प्रशासित तिब्बत क्षेत्र में हिम ताल का तटबंध टूटने के कारण नेपाल के रसुवागढ़ी में आई बाढ़ से जनधन की व्यापक क्षति हुई है। चीन प्रशासन ने इस बारे में कोई भी पूर्व सूचना नेपाल सरकार को नहीं दी। अगर इसकी सूचना समय पर मिल जाती तो तबाही को कुछ हद तक रोका जा सकता था। राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण के प्रमुख दिनेश भट्ट ने कहा कि चीन के तिब्बत में हिमनद के तटबंध टूटने और बाढ़ की पूर्व सूचना नहीं दिए जाने के कारण नेपाल को बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है। भट्ट का दावा है कि सीमावर्ती क्षेत्र के जिलों में मानसून को लेकर सतर्क रहने की औपचारिक सूचना तो दी गई लेकिन इतने बड़े पैमाने पर बाढ़ आने की कोई पूर्व जानकारी नहीं दी गई। रसुवागढ़ी जिला प्रशासन ने भी गृह मंत्रालय को अवगत कराया है कि चीन ने इस बारे में कोई भी पूर्व सूचना नहीं दी। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद तिवारी ने कहा कि यदि पूर्व सूचना मिल जाती तो

जनधन की भारी नुकसान से बचाया जा सकता था। उल्लेखनीय है कि सोमवार को आई विनाशकारी बाढ़ में बहे नौ लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। 19 लोगों अभी भी लापता हैं। बाढ़ में 24 मालवाहक कंटेनर, 35 इलेक्ट्रिक व्हीकल, 6 छोटे ट्रक बह गए हैं। इसके अलावा चीन सरकार का निर्माणाधीन ड्राइपोर्ट बह गया है। नेपाल-चीन को जोड़ने वाले एकमात्र पुल भी बह गया। इस कारण से सड़क संपर्क टूट गया है।

रूस का यूक्रेन की राजधानी कीव पर हवाई हमला,दो की मौत, 22 घायल

एजेंसी

कीव। रूस ने नौ जुलाई की शाम छह बजे से दस जुलाई की पूरी रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर ताबड़तोड़ हवाई हमला कर आधारभूत संरचना को भारी क्षति पहुंचाई है। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी यूक्रिनफॉर्म ने आज सुबह यह खबर प्रसारित की है। खबर के अनुसार, रूस ने खासतौर पर कीव को निशाना बनाया। उसने ब्रांस्क, प्रिमोर्स्को-अख्तरस्क, कुर्स्क, ओर्योल और मिलरोवो से 397 यूएवी (शाहेड ड्रोन) से हवाई हमला किया। ब्रांस्क क्षेत्र से आठ इस्कंदर-एम बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इसके अलावा सारातोव क्षेत्र के ऊपर रूसी हवाई क्षेत्र से छह केएच-101 क्रूज मिसाइलें और कुर्स्क क्षेत्र से चार एस-300 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं। यूक्रिनफॉर्म ने

दावा किया कि यूक्रेन के वायु रक्षा बलों ने 178 रूसी हवाई खतरों को निष्क्रिय कर दिया। रूस ने कुल 415 प्रेक्षपास्त्र दागे। रूस के हवाई हमले का जवाब यूक्रेनी विमानन, वायु रक्षा मिसाइल बलों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) इकाइयों, ड्रोन रक्षा प्रणालियों और यूक्रेनी रक्षा बलों के मोबाइल फायर समूहों ने दिया। कीव पर रूसी हमले में घायलों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। इसके अलावा दो लोगों की जान चली गई। 10 जुलाई की रात कीव पर हुए रूसी हवाई हमले में कीव मेट्रो पुलिस के एक 22 वर्षीय पुलिस कॉर्पोरल की मौत हो गई। मेयर क्लिट्स्को ने बताया कि पोडिल्स्की जिले में रूसी हमले में प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वच्छता सहायता केंद्र संख्या 1 का बाह्य रोगी क्लीनिक नष्ट हो गया। इसके अलावा यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) के एक अधिकारी की कीव के होलोसिव्स्की जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस बीच यूक्रेन के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ जनरल ओलेक्सांद्र सिर्स्की ने एक विशेष बैठक में सैन्य चिकित्सा की वर्तमान चुनौतियों पर चर्चा की है। सिर्स्की ने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता क्षेत्रीय चिकित्सा में सुधार, विशेष रूप से युद्ध के मैदान के अग्रिम मोर्चे से चिकित्सा निकासी शामिल है।

मॉस्को में 'भारत उत्सव' की भव्य शुरुआत, चहुंओर भारतीय संस्कृति की अनूठी झलक

एजेंसी

मॉस्को। मॉस्को में पूरे उत्साह के साथ शुरू हुए भारत की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के भारत उत्सव की धूम है। यह सांस्कृतिक महोत्सव 05 जुलाई से 13 जुलाई तक मनाया जा रहा है, जहां स्थानीय नागरिक और पर्यटक भारतीय परंपराओं, संगीत, नृत्य और योग से सीधे रूबरू हो रहे हैं। मॉस्को सरकार और रूस में भारतीय दूतावास के संयुक्त प्रयास से आयोजित उत्सव के तहत शहर के प्रसिद्ध मनेझनाया स्क्वायर को पारंपरिक भारतीय सजावट, हरियाली और विश्राम क्षेत्रों के साथ एक खूबसूरत भारतीय बगीचे में तब्दील किया गया है। इस दौरान अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा योग, ध्यान, पारंपरिक नृत्य और श्वास तकनीकों की कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। साथ ही, भारतीय शास्त्रीय नृत्य के शारीरिक और मानसिक लाभों को भी दर्शाया जा रहा है। उत्सव में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, नगालैंड समेत विभिन्न राज्यों से आए कलाकार पारंपरिक लोकनृत्यों जैसे कथक, सिंगरी, भरतनाट्यम और ओडिसी की प्रस्तुतियां दे रहे हैं। इसके साथ-साथ मैथिली और तमिल गीतों की गूंज भी समारोह को भारतीय रंगों से सराबोर कर रही है। उत्सव में 'डिस्कवर इंडिया' नामक एक इंटरैक्टिव क्विज का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लोग भारत के बारे में अपनी जानकारी को परख सकते हैं। भारत की पारंपरिक कलाओं की प्रदर्शनी में मिट्टी के बर्तन, चित्रकला, पारंपरिक परिधान, लकड़ी की नक्काशी और अन्य हस्तशिल्पों का भी प्रदर्शन किया गया है। मॉस्को नगर पर्यटन समिति के उपाध्यक्ष बुलात नुरमुखानोव ने कहा कि भारतीय संस्कृति के प्रति मॉस्कोवासियों और पर्यटकों की रुचि बेहद गहरी है। हाल ही में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में 7000 से अधिक लोगों की भागीदारी इसका प्रमाण है।

मॉडर्ना को कोविड-19 वैक्सीन के लिए यूएस एफडीए की मंजूरी मिली

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मॉडर्ना की कोविड-19 वैक्सीन स्पाइकवैक्स को 6 महीने से 11 वर्ष तक के उन बच्चों के लिए पूर्ण अनुमोदन दे दिया है, जो इस बीमारी के प्रति अधिक संवेदनशील हैं। अब तक यह वैक्सीन केवल आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण (ईयूए) के तहत इन उम्र के बच्चों के लिए उपलब्ध थी। मॉडर्ना ने कहा है कि वह 2025-26 के श्वसन वायरस मौसम के लिए अमेरिका में पात्र लोगों के लिए अपने अपडेटेड वैक्सीन को उपलब्ध कराने की योजना बना रही है। हालांकि, स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने मई में घोषणा की थी कि अमेरिका अब स्वस्थ बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए रूटीन कोविड टीकाकरण की सिफारिश नहीं

करता। इसके विपरीत, अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) का कहना है कि यदि डॉक्टर और माता-पिता सहमत हों तो स्वस्थ बच्चों को भी टीका लगाना एक विकल्प बना रहेगा। सीडीसी ने बाहरी विशेषज्ञों की सिफारिश के आधार पर 6 महीने और उससे अधिक उम्र के सभी लोगों के लिए अपडेटेड कोविड वैक्सीन की सिफारिश की है।

वैक्सीन सुरक्षा को लेकर कई बार वैज्ञानिक शोधों के खिलाफ बयान दे चुके कैनेडी ने सीडीसी की टीकाकरण नीतियों को सलाह देने वाली 17 सदस्यीय स्वतंत्र समिति को बर्खास्त कर दिया और उनमें से कई विरोधी वैक्सीन रुख रखने वाले नए सदस्यों को नियुक्त किया है। कैनेडी के निर्णयों को लेकर अमेरिका की कई प्रमुख चिकित्सा संस्थाओं ने उन्हें जनस्वास्थ्य के लिए खतरा बताते हुए अदालत में चुनौती दी है। यही नहीं, मॉडर्ना के इस विकास के बाद कंपनी के शेयरों में 2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो प्रीमार्केट ट्रेडिंग में 33.45 डॉलर पर पहुंच गए।

रोम में यूक्रेन सम्मेलन : जेलेंस्की बोले- अमेरिका देगा सैन्य मदद, यूरोप देगा पैट्रियट मिसाइलें

एजेंसी

रोम/कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रोम में आयोजित यूक्रेन पुनर्निर्माण सम्मेलन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका से सैन्य सहायता पुनः शुरू करने को लेकर सभी आवश्यक राजनीतिक संकेत प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई रचनात्मक बातचीत के बाद हथियारों की आपूर्ति को लेकर एक समय-सारणी और विस्तृत विवरण यूक्रेन को मिल चुका है।

जेलेंस्की ने यह भी खुलासा किया कि अमेरिका से पैट्रियट मिसाइल प्रणाली प्राप्त करने की योजना को जर्मनी और नॉर्वे जैसे यूरोपीय साझेदारों का सहयोग मिल रहा है। जर्मनी यूक्रेन के लिए दो पैट्रियट सिस्टम की लागत वहन करने को तैयार है। वहीं, नॉर्वे एक सिस्टम के लिए आर्थिक सहायता

देने पर सहमत हुआ है। जेलेंस्की ने कहा कि अन्य यूरोपीय देश भी जुड़ सकते हैं, बशर्ते लागत और आवश्यकताओं को लेकर स्पष्टता हो।

रूस पर सख्त प्रतिबंधों की मांग

जेलेंस्की ने कहा कि वह अमेरिका से यह अपेक्षा रखते हैं कि वह रूस की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करने के लिए कड़े प्रतिबंधों को लागू करने में नेतृत्वकारी भूमिका निभाए।

अमेरिका में राजदूत को बदलने पर विचार

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने पुष्टि की कि वे अमेरिका में यूक्रेन के राजदूत को बदलने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के वर्तमान रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव को इस पद के लिए संभावित उम्मीदवार के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में नए राजदूत की सबसे बड़ी जिम्मेदारी रूस की आक्रामकता के खिलाफ यूक्रेन की रक्षा को सशक्त बनाना होगी।

अमेरिका की ईरान यात्रा पर सख्त चेतावनी: नागरिकों से कहा- किसी भी हालत में न जाएं

वांशिगटन । अमेरिका और ईरान के बीच हालात फिर तनाव की ओर बढ़ रहे हैं। इन परिस्थितियों को देखते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों को ईरान नहीं जाने की सलाह दी है। अमेरिका की ओर से ईरान यात्रा को लेकर नई एडवाइजरी जारी की गई, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि नागरिकों को किसी भी स्थिति में ईरान की यात्रा नहीं करनी चाहिए। अमेरिकी विदेश विभाग के वाणिज्य दूतावास कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा, अमेरिकी नागरिकों को किसी भी कारण से ईरान नहीं जाना चाहिए। ईरान में अमेरिकी नागरिकों को बिना किसी चेतावनी और अपराध का कोई सबूत दिए अगवा किया गया है और गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया है। इनमें दोहरी नागरिकता (यूएस-ईरानी) रखने वाले नागरिक भी शामिल हैं। कुछ को झूठे आरोपों में सालों तक कैद रखा गया, मानसिक यातना दी गई और यहां तक कि मौत की सजा भी सुनाई गई है। सिर्फ अमेरिकी पासपोर्ट होना या अमेरिका से संबंध होना ही ईरानी अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी का कारण बन सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा, ÷ईरानी शासन दोहरी नागरिकता को मान्यता नहीं देता है और हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों को नियमित रूप से कांसुलर सहायता देने से इनकार करता है। उन्होंने कहा कि हालांकि बमबारी रुक गई है।

पाकिस्तान में बस से नौ यात्रियों को उतारकर ले गए आतंकी, गोली से भूना, बीएलए ने लिया जिम्मा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के झोब और लोरलाई जिलों की सीमा पर स्थित सुर-दकई इलाके में गुरुवार रात हथियारबंद आंतवादियों ने पंजाब जाने वाली दो बसों में सवार कम से कम नौ यात्रियों का अपहरण कर उनकी गोलीमार कर हत्या कर दी। वारदात के कुछ समय बाद इसकी जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने ली। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, झोब के सहायक आयुक्त नवीद आलम ने कहा कि दो बसों से अगवा किए गए नौ लोगों की हत्या कर दी गई है। उनके शव बरामद कर लिए गए हैं। शवों को पंजाब में उनके पैतृक शहरों में भेजने के लिए राखनी ले जाया जा रहा है। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी संगठन ने तीन काकट, मस्तुंग और सुर-दकई पर हमले किए हैं। सुर-दकई इलाके में कुछ यात्रियों को अगवा किया गया है। सुरक्षा बलों ने बाकी अपहृत यात्रियों की सुरक्षित बरामदगी के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। बताया गया है कि पंजाब जा रही दो बसों को एन-70 राजमार्ग के पास

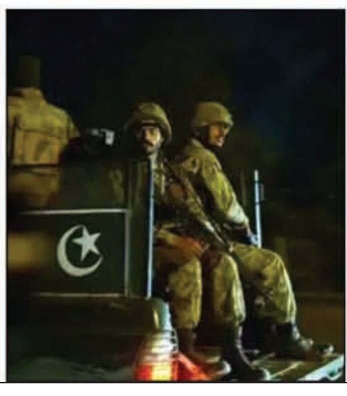

सुर-दकई इलाके में जाम लगाकर रोका गया। इसके बाद हथियारबंद यह लोग बसों में चढ़ गए। यात्रियों के पहचान पत्र जांचे। इनमें 10 को बंदूक के दम पर बसों से उतारकर अपने साथ ले गए। एक बस यात्री ने बताया कि कुछ देरबाद गोलियों की आवाज सुनाई पड़ी। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षाबलों ने सारे राजमार्ग पर जगह-जगह नाकाबंदी कर आतंकवादियों की तलाश शुरू कर दी है।प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। समूह के प्रवक्ता ने कहा कि लड़ाकों ने मुसाखाइल-मख्तार और खजूरी के बीच राजमार्ग को अवरुद्ध करने के बाद नौ व्यक्तियों की हत्या कर दी। जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने यात्रियों की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा की है। बुगती ने कहा कि हमलावरों ने जानबूझकर निर्दोष नागरिकों को उनकी पहचान के आधार पर निशाना बनाया। बुगती ने कहा कि आतंकवादियों ने एक बार फिर अपनी कायरता और पाशविक प्रवृत्ति का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यात्री बसों की सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की है और एन-70 पर रात को यात्रा प्रतिबंधित है। हालांकि, एक बस सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए शाम के समय एन-70 मार्ग से रवाना हुई। सरकार जांच कर रही है कि सुरक्षा व्यवस्था की किन खामियों के कारण यह वारदात हुई। उन्होंने यह पुष्टि की कि एक सामान्य आतंकवादी धमकी पहले मिली थी। इसके बाद कलात और मस्तुंग में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। एक दिन पहले ही यात्री ट्रेनों के आवागमन पर रोक लगाई गई है। जिस इलाके में यह घटना हुई, वहां कोई खतरा नहीं था।

प्रताप वर्ल्ड स्कूल में छात्रों की कार्यकारिणी सभा का गठन

दिव्य दिल्ली- शम्मी धिमान (इंदौरा)

आज प्रताप वर्ल्ड स्कूल इंदौरा चनौर में प्रिंसिपल रेणु परमार व एमड्ड डी ड्ड डॉड्ड रिचा महाजन की अध्यक्षता में छात्रों की कार्यकारिणी सभा का भव्य गठन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभा का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना एवं उनमें सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। प्रिंसिपल रेणु परमार ने बताया कि सीनियर कक्षा में हैड

ब्वॉय तन्मय , हैड गर्ल वंशिका ,स्कूल स्पोर्ट्स कैप्टन पीयूष, स्कूल कल्चर एक्टिविटी इंचार्ज श्रेया ,डिप्टी हैड ब्वॉय अक्षित ,डिप्टी हैड गर्ल प्राची का चयन किया गया। इसके साथ ही गांधी सदन से हाउस कैप्टन गमन ,बाइस हाउस कैप्टन दिव्यांशी, हाऊस स्पोर्ट्स कैप्टन सचिन ,बाइस हाऊस स्पोर्ट्स कैप्टन शौर्य डोगरा, हाउस परफेक्ट निवेदिता ,जन्नत ,डिस्प्ले कमांडर रिषिका ,दीक्षित का चयन हुआ। नेहरू सदन से हाउस कैप्टन जानवी ,बाइस हाउस कैप्टन जानवी शर्मा , हाउस स्पोर्ट्स कैप्टन दिव्यम ,बाइस हाउस स्पोर्ट्स कैप्टन नमन, हाऊस परफेक्ट अमिषा, निहारिका ,जन्नत ,डिस्प्ले कमांडर तनवी ,तानिष का चयन हुआ। पटेल सदन से हाउस कैप्टन कार्तिक शर्मा ,बाइस हाउस कैप्टन कशिश रॉव, हाउस स्पोर्ट्स कैप्टन मन्नत जसरोटिया ,बाइस हाऊस स्पोर्ट्स कैप्टन अभिषेक सिंह , हाऊस पर्फेक्ट अर्नव वट्ट, इशिका ,डिसप्लेन कमांडर भविष्य, रिधिमा शर्मा का चयन हुआ। सुभाष सदन में हाउस कैप्टन मिनल ,बाइस हाउस कैप्टन साहिल , हाउस स्पोर्ट्स कैप्टन गुरशान ,बाइस हाऊस स्पोर्ट्स कैप्टन प्रनव , हाऊस पर्फेक्ट कोमल ,रिधिमा ,डिसप्लेन कमांडर सहजप्रित ,सुक्रांतवीर का चयन हुआ

126 बिरोजे के टीन से भरी गाड़ी पकड़ी

दिव्य दिल्ली-विनय महाजन (नूरपुर)

प्रदेश के वन डिवीजन नूरपूर के अंतर्गत वन परिक्षेत्र अधिकारी जगजीत चावला के नेतृत्व में विभागीय टीम के साथ बीती रात को एक नाका गुप्त सूचना के आधार पर लगाया गया जिसमें एक गाड़ी से बिना दस्तावेज के बिरोजे से पकड़ा गया ' इस गाड़ी मे मोके पर 26 टीन बिरोजे के पकड़े गए। यह जानकारी देते रेंज ऑफिसर जगजीत चावला कि शिरकत में गठित टीम ने कि बीती रात पंजाब नम्बर की गाड़ी pb07z6844 पकड़ी जिसमे ड्राइवर उक्त सामग्री को ले जा रहा था ' मोके पर गाड़ी चालक कोई भी कागजात नही दिखा पाया जिस कारण गाड़ी को कब्जे में लेकर आगामी कार्यवाही शुरू कर दी है। यह जानकारी नूरपुर बन उपमंडल अधिकारी शर्मा ने देते हुए बताया कि इस मामले में गाड़ी चालक के नाम के बयान पर यह मुकदमा 41/42 ऑफ आई एफ ए 1927 के तहत दर्ज किया गया है और चालक को मोके पर सामान सहित गाड़ी गिरफ्तार किया गया है ' इस मामले की छानबीन की जा रही है की वन विभाग की इतनी बड़ी संपदा कहां से आई और कहां जा रही थी '

उन्होंने इस कार्य में अपनी टीम का भी मनोबल बढ़ाया है ' उन्होंने बताया कि यह अवैध माल हिमाचल प्रदेश के शाहपुर क्षेत्र से गाड़ी में लोड किया गया था और पंजाब प्रांत के होशियारपुर क्षेत्र में जा रहा था' विभाग इस मामले में पूरी छानबीन कर रहा है।

न्यूज फ्लैश

पूर्व मंत्री स्व सत महाजन के प्रयासों से फ्री थिंकर्स क्लब का लाइब्रेरी खोलने का सपना आज पूरा हुआ जिसने जमीन उपलब्ध करवाई थी

दिव्य दिल्ली-विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर शहर में फ्री थिंकर्ज क्लब द्वारा पुस्तक संग्रहालय (लाइब्रेरी) खोल दिया गया है। यह जानकारी देते हुए आज क्लब के अध्यक्ष डा विपिन महाजन ने बताया कि नूरपुर शहर में लंबे समय से लाइब्रेरी की मांग थी तथा लोगों को खास कर विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी होगी। विपिन महाजन ने कहा कि आजकल मोबाइल के प्रचलन से ज्यादातर बच्चे मोबाइलों से चिपके रहते है जिससे कई प्रकार की समस्याएं बच्चों को बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करने के लिए लाइब्रेरी खोली गई है तांकि उनका रुझान पुस्तको की तरफ बढ़ाया जाए। विपिन महाजन ने बताया कि लाइब्रेरी में छात्रों से लेकर बजुर्गो तक हर विषय की कितावें उपलब्ध करवाई गई है। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी की फीस प्रति माह 100 रुपये रखी गयी है जबकि सालाना फीस 1 हजार रुपए होगी। उन्होंने बताया कि पुस्तकों की उपलब्धता लोगों के अनुसार बढाई जा सकती है। महाजन ने कहा कि लाइब्रेरी की टाइमिंग सुबह 10 बजे से 12 बजे तक तथा शाम को 6 बजे से 8 बजे तक होगी। जबकि रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगी। विपिन महाजन ने बताया कि क्लब को उक्त भूमि पूर्व मंत्री स्व सत महाजन के प्रयासों से उपलब्ध हुई थी जिसके लिए क्लब उनका हमेशा आभारी रहेगा। इस अवसर पर उनके साथ फ्री थिंकर्स क्लब नूरपुर के उपाध्यक्ष राजेश महाजन, सचिव प्रवीण कुमार ,सह- सचिव संदीप भारद्वाज ,कोषाध्यक्ष अश्विनी सुदंल, कार्यकारिणी सदस्य कपिल महाजन व अतुल कुमार आदि मौजूद रहे।

एलीट ग्रुप की मासिक बैठक पीसी विश्वकर्मा की अध्यक्षता में हुई सम्पन्न

दिव्य दिल्ली- प्रेम स्वरूप शर्मा (नगरोटा सूरियां)

एलीट ग्रुप की मासिक बैठक पीसी विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में गुरुदेव भारती,वरिष्ठ कांग्रेस नेता ज्वाली विधानसभा क्षेत्र और फौजा सिंह धीमान कांग्रेस नेता देहरा विधानसभा क्षेत्र ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया जबकि अन्य सदस्यों ने ऑनलाइन सहभागिता की। चिंतन के वाद ग्रुप संयोजक पीसी विश्वकर्मा ने पत्रकारों से वार्ता में कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार के शासन में लोकतंत्र समाजवाद धर्मनिरपेक्षता बराबरी स्वतंत्रता,और भाईचारा की भावना कमजोर हुई और जनमत से नहीं बल्कि सरकार हिंदू बहुमत से चलाने की कोशिश हो रही है।पीसी विश्वकर्मा ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान किस तरह सेल्फ स्टाइल संगठन दुकानों के नेम प्लेट हिंदू मुस्लिम की पहचान कर रहे थे ,ऐसी शक्ति उन्हें क्या सरकार ने दी है ?कोई हिंदू रक्षा दल बनाकर दादागिरी कर रहा तो कोई गौ रक्षक दल बनकर ट्रालों की चेकिंग कर रहे है ,यह अराजकता नहीं तो क्या है ?और सरकार चुप रहती है। एक भगवा रंग का चोला पहनकर बाबा कहता है कि हरिद्वार में किसी मुस्लिम को न घुसने देंगे,इसी तरह पश्चिमी बंगाल का बड़ा नेता कहता है कि हिंदू कश्मीर में मुस्लिम बहुल क्षेत्र में न जाएं जबकि हमारा संविधान देश के किसी भी क्षेत्र में घूमने की आजादी देता है। संवैधानिक संस्थाएं दबाव में काम करती है,गोदी मीडिया खबरें तोड़ मरोड़ कर पेश करता है,बिहार में गरीबों पिछड़े लोगों को मताधिकार से ही वंचित करने की तिकड़म खोजी जा रही है, तो ऐसे में संविधान और लोकतंत्र कैसे बनेगा,धार्मिक डेरा चलाने वाले सेल्फ घोषित बाबे विहार में आकर सम्मेलन करके भोले भाले लोगों को हिंदू के नाम से गुमराह कर बीजेपी का वोट बढ़ाने का जुगाड़ कर रहे है।

श्री बृज राज स्पोर्ट्स क्लब द्वारा मंडी त्रासदी के लिए विशेष राहत सामग्री मंडी के लिए रवाना

दिव्य दिल्ली-विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर श्री बृज राज स्पोर्ट्स क्लब ने मंडी त्रासदी प्रभावितों के लिए एकत्रित की गई भारी मात्रा में राहत सामग्री आज रवाना कर दी है।कांगड़ा चम्बा लोकसभा के सांसद राजीव भारद्वाज ने हरी झंडी दिखाकर 2 जीप व 2 गाड़ियों को रबाना किया। क्लब ने पिछले तीन दिनों में हिमाचल प्रदेश के लोगों से मिले अभूतपूर्व समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया है, जिसने एकजुटता और सहयोग की भावना का प्रदर्शन किया है।इस अवसर पर क्लब के एक प्रतिनिधि ने बताया, "हम, हिमाचल के लोगों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जब भी कोई संकट आता है, हम सब मिलकर उसका सामना करते हैं। मंडी त्रासदी के लिए आपकी ओर से खुले दिल से मिला दान और सामग्री अविश्वसनीय रूप से प्रेरणादायक रही है।आज हमारी टीम मंडी के लिए प्रस्थान कर रही है। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि दान की गई प्रत्येक वस्तु सबसे सही और जरूरतमंद स्थानों तक पहुंचाई जाएगी।

जवाहर बाल मंच ने दिल्ली में राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर शुरू किया

नई दिल्ली: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बाल संगठन, जवाहर बाल मंच (जेबीएम) ने आज नई दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय मुख्यालय, इंदिरा भवन से अपने राष्ट्रीय शिविर, आरंभ - परिवर्तन की यात्रा का उद्घाटन किया।

इस दो दिवसीय शिविर में विभिन्न राज्यों के बाल प्रतिनिधि, राष्ट्रीय और राज्य कार्यकारी समितियों के सदस्य हिस्सा लेंगे, जो जेबीएम समन्वयक के रूप में कार्य करते हैं। आरंभ का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय नेतृत्व कार्यशाला का आयोजन करना है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य निर्माण करने के लिए अगली पीढ़ी के बच्चों के व्यक्तित्व का विकास किया जा सके। इस शिविर का उद्घाटन जवाहर बाल मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ. जी.वी. हरि ने किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य भविष्य की पीढ़ी का निर्माण करना है, जो संवैधानिक मूल्यों को बरकरार रखे। उन्होंने कहा कि श्री राहुल गांधी के निदेशों के अनुरूप जेबीएम द्वारा अपनी चौथी वर्षगांठ के अवसर पर पूरे देश में एक नशा-विरोधी अभियान नशे को नकारें शुरू किया जाएगा। इसके अलावा, नेतृत्व कार्यशाला को आगे बढ़ाते हुए देश में एक हजार मोहब्बत की दुकान पहल चलाई जाएंगी, ताकि सह-अस्तित्व का विकास हो। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनीष चतरथ, प्रभारी, एआईसीसी मुख्यालय ने मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। एडवोकेट योगेश शर्मा, मुख्य समन्वयक, जेबीएएम; राष्ट्रीय समिति के सदस्य गुंजन शर्मा, वैशाखा राहिनिच, राहुल टी, तैयब शाहिद आदि ने भी कार्यक्रम में अपना संबोधन दिया।

रामपुर गार्डन में बीडीए की बड़ी कार्रवाई

बरेली। रामपुर गार्डन स्थित एक बड़े कारोबारी द्वारा बिना मंजूरी बनाए गए टीन शेड और उसमें चल रहे ब्लिंकिट गोदाम पर शुक्रवार को बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने सख्त कार्रवाई करते हुए सील कर दिया है। बीडीए अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि अब शहर में बिना नक्शा पास कराए एक भी निर्माण नहीं होगा।

500 वर्ग मीटर में खड़ा था टीनशेड

बीडीए के वीसी डॉ. मनिकंदन ए. के मुताबिक, कारोबारी शिव कुमार अग्रवाल पुत्र स्व. महेन्द्र शरण अग्रवाल ने कोतवाली क्षेत्र के रामपुर बाग इलाके में 500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में टीनशेड खड़ा कर वहां कारोबार शुरू कर दिया था। न तो बीडीए से नक्शा पास कराया गया था और न ही कोई वैध अनुमति ली गई थी।

शुक्रवार को संयुक्त सचिव दीपक कुमार के नेतृत्व में अवर अभियंता अजीत कुमार साहनी, संदीप कुमार और प्रवर्तन टीम मौके पर पहुंची और मौके का निरीक्षण कर अवैध निर्माण को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। बीडीए अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि जिले भर में बिना स्वीकृति किए गए निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। यदि किसी ने नक्शा पास कराए बिना निर्माण किया तो न केवल सील लगेगी, बल्कि जरूरत पड़ी तो निर्माण को ध्वस्त भी किया जाएगा।

प्राधिकरण ने आमजन से अपील की है कि मकान या दुकान खरीदने से पहले यह जरूर सुनिश्चित कर लें कि संपत्ति का नक्शा बीडीए से पास है या नहीं। सभी जरूरी दस्तावेजों की पुष्टि के बाद ही सौदा करें, वरना आगे चलकर भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है।

सोलन जिला खो-खो संघ के चुनाव संपन्न, चमन लाल तनवर बने अध्यक्ष

दिव्य दिल्ली- अमरप्रीत (सोलन)

सोलन जिला खो-खो संघ के चुनाव संपन्न हो गए हैं, जिसमें चमन लाल तनवर को जिला अध्यक्ष और देवीदत्त तनवर को महासचिव चुना गया है। एडवोकेट अभिषेक ठाकुर की अध्यक्षता में हुए चुनाव में कार्य समिति के अन्य पदाधिकारी भी चुने गए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष चमन लाल तनवर ने कहा कि उनकी प्राथमिकता खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना और जिला खो-खो संघ को मजबूत बनाना होगा। उन्होंने कहा कि वह खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करेंगे और जिला खो-खो संघ को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

डीएवी स्कूल पट्टा जट्टियाँ में क्लस्टर स्तरीय दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

दिव्य दिल्ली- ऊषा जरियाल (जवाली)

डी ए बी पब्लिक स्कूल पट्टा जट्टियाँ में डी ए बी स्कूल द्वारा आयोजित दो दिवसीय क्लस्टर स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि एआरओ और क्लस्टर हेड डॉ. रश्मि जमवाल द्वारा दीप प्रज्वलन कर तथा झंडारोहण के साथ किया गया।आज हमारे मुख्य अतिथि के शब्द –विनर्स नेवर क्विट एंड क्विट्स नेवर विन ' – हम सभी खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणा हैं। यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि एक सोच है जो हमें यह सिखाती है कि हार मान लेना कभी विकल्प नहीं होना चाहिए। इसके पश्चात सभी प्रतिभागी विद्यालयों द्वारा आकर्षक मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया गया, जिसमें छात्रों ने अनुशासन, तालमेल और खेल भावना का सुंदर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विभिन्न डी ए बी स्कूलों से आए छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

ग्राम पंचायतों में डाटा इन्ट्री ऑपरेटर के रिक्त होने वाले पदों की दो महीनों में हो नियुक्ति : डीएम

कानपुर। निदेशक, पंचायती राज, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के दिये गये निदेर्शानुसार ग्राम पंचायतों द्वारा समय-समय पर पंचायत सहायक एकाउन्टेन्ट-कम-डाटा इन्ट्री ऑपरेटर के होने वाले रिक्त पदों पर रिक्ति की तिथि से दो माह के भीतर चयन एवं नियुक्ति की कार्यवाही पंचायती राज अनुभाग-3 के पूर्व निर्गत शासनादेश में प्राविधानित व्यवस्था के अनुसार किये जाए। यह निर्देश शुक्रवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने दिए। डीएम ने कहा कि ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत सहायक एकाउन्टेंट कम डाटा इन्ट्री ऑपरेटर के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना ग्राम पंचायत के सूचना पट्ट एवं मुनादी द्वारा कराया जाए। साथ ही 15 से 17 जुलाई तक जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की

अवधि 18 जुलाई से दो अगस्त तक है। जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय व विकास खण्ड कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराया जाए। साथ ही तीन से आठ अगस्त तक ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदन पत्रों की श्रेष्ठता सूची (मेरिट लिस्ट) तैयार करना की भी जिम्मेदारी भी उन्ही की होगी।ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाए। समिति द्वारा अनुमोदित श्रेष्ठता सूची को जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ समिति के सदस्य सचिव (जिला पंचायत राज अधिकारी) को उपलब्ध कराया जाए। नौ अगस्त से 16 अगस्त तक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा परीक्षण एवं संस्तुति की जाएगी। 17 से 23 अगस्त तक ग्राम पंचायत द्वारा नियुक्ति पत्र निर्गत किया जाए।

एसएल गुप्ता फिर से निर्विरोध गवर्नमेंट पेंशनर्स एसोसिएशन के पुन प्रदेश अध्यक्ष

दिव्य दिल्ली-विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर हिमाचल प्रदेश गवर्नमेंट पेंशनर्स एसोसिएशन की एक बैठक आज नूरपुर में सम्पन्न हुई। बैठक की शिरकत एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष एसएल गुप्ता ने की। चुनाव प्रक्रिया शुरू करने से पहले एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएल गुप्ता ने मौजूदा कार्यकारिणी को भंग करने की घोषणा की। इसके बाद एसोसिएशन के द्विवार्षिक चुनाव की प्रक्रिया पर्यवेक्षक सीपी महाजन व अविनाश गुप्ता की देखरेख में हुई जिसमें एसएल गुप्ता को लगातार 16वीं बार निर्विरोध एसोसिएशन का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। जसवंत धीमान को एसोसिएशन का महासचिव व इंद्र पाल शर्मा को वित्त सचिव चुना गया। इस अवसर पर एसएल गुप्ता ने उन्हें 16वीं बार एसोसिएशन का निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुनने के लिए सभी सदस्यों का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि वह सभी सदस्यों की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के सदस्यों के साथ विचार विमर्श करके जल्द ही कार्यकारिणी गठित की जाएगी। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन लंबे समय से पेंशन की मांगों को सरकार के समक्ष प्रभावशाली ढंग से उठा रही है तथा निकट भविष्य में भी पेंशनर्स की लंबित मांगों को सरकार के समक्ष जोरदार ढंग से उठाया जाएगा।उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से मांग की है कि सरकार व पेंशनर्स के बीच समन्वय बनाने के लिए जल्द से जल्द जेसीसी का गठन किया जाए। इस मौके पर एसोसिएशन के लगभग सभी अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पुलिस और राजस्व की टीम के सामने युवक ने पेट्रोल डालकर आत्मदाह का किया प्रयास

अमेठी। अमेठी कस्बे के अंतू रोड पर शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एसडीएम के आदेश पर राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम के अवैध कब्जे को हटाने लगी। इसी दौरान कब्जाधारी युवक ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क कर आग लगाने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिस और राजस्व की टीम ने युवक के मंसूबे को नाकाम करते हुए उसे अपने साथ ले गई।

उप जिलाधिकारी आशीष कुमार सिंह ने बताया कि अंतू प्रतापगढ़ रोड पर तहसील से मात्र सौ मीटर दूर पर राजकीय पशु अस्पताल के आवास और जमीन पर ग्राम रेम्भा निवासी आनंद कुमार मिश्र ने कब्जा कर लस्सी की दुकान खोल ली है। उसे हटवाने के लिए पांच जुलाई को उपमुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने एक प्रार्थना पत्र दिया था। इसका संज्ञान लेकर पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीम गठित कर कब्जा हटाने के निर्देश दिए गये थे। इससे पहले टीम ने उसे नोटिस भी दी थी, लेकिन उसने उस पर अमल नहीं किया। शुक्रवार को जब टीमें कब्जा हटाने पहुंची तो आनंद ने विरोध किया ।

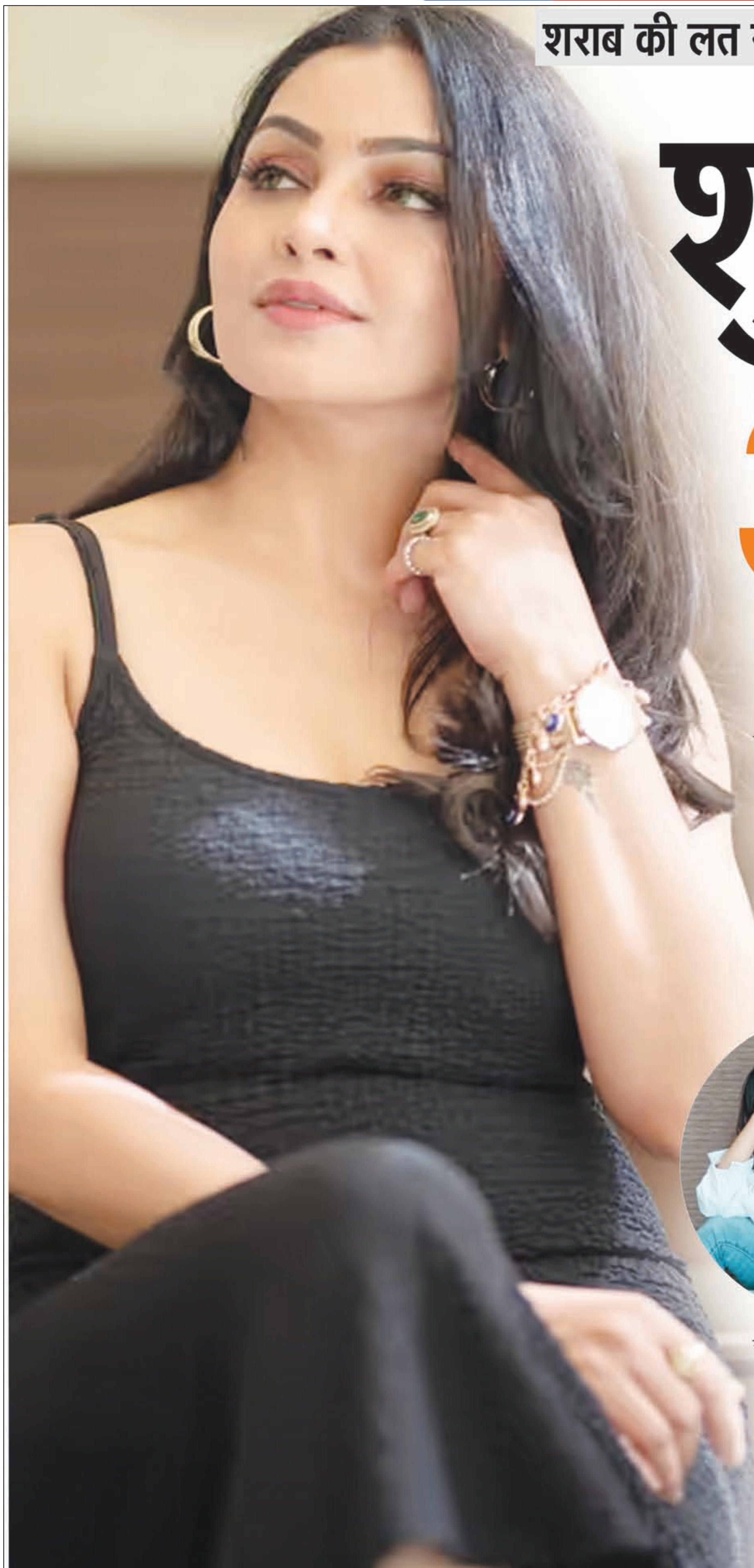

शराब की लत ने तोड़ा रिश्ता, 'अंगूरी भाभी'

शुभांगी अत्रे

ने रोते हुए बताई पीयूष पूरी से अलग होने की वजह

मशहूर टीवी शो 'भाभी जी घर पर हैं' में 'अंगूरी भाभी' के किरदार से घर-घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं. हाल ही में उन्होंने अपने निजी जीवन के संघर्ष के बारे में बात करते हुए एक्स हसबैंड पीयूष पुरी को लेकर कुछ बेहद इमोशनल बातें शेयर कीं. दरअसल शुभांगी ने पीयूष से उनके निधन से कुछ समय पहले ही तलाक लिया था और तलाक के कुछ महीने बाद अप्रैल 2025 में पीयूष का निधन हो गया था.

सिद्धार्थ कन्नन से खास बातचीत में शुभांगी अत्रे ने अपने दर्द को बयां करते हुए बताया कि कैसे उन्हें शादी के बाद पीयूष की शराब की लत के बारे में पता चला. उन्होंने कहा, मैंने अपनी शादी को बचाने की बहुत कोशिश की. हम 17 साल तक साथ रहे. शुभांगी ने बताया कि काम में व्यस्त रहने के कारण उन्हें इस बात का अंदाजा ही नहीं लग पाया कि हालात कब इतने बिगड़ गए. उन्होंने कहा,मेरी बेटी आशी उसकी शराब के बारे में बताती थी. वो शराब पीने के बाद चिड़चिड़ा हो जाता था. शुभांगी ने नम आंखों से बताया कि उनके लिए कोविड का समय आंखें खोल देने वाला रहा, जब वह घर पर रहीं और खुद अपनी आंखों से इस समस्या को देखा.

रिश्ते को बचाना चाहती थीं शुभांगी

शुभांगी ने आगे बताया कि 2018 में पीयूष ट्रांसप्लांट ट्रीटमेंट के लिए स्टेरॉयड ले रहे थे, लेकिन उन्होंने उसी दौरान ट्रीटमेंट के बीच शराब पीना भी शुरू कर दिया. इसी वजह से उन्हें अस्पताल में भी भर्ती होना पड़ा. डॉक्टरों ने उन्हें उनकी लाइफस्टाइल बदलने की सख्त सलाह भी दी थी, लेकिन हालात नहीं बदले. शुभांगी ने इस दौरान भी रिश्ते को बचाने की पूरी कोशिश की. उन्होंने बताया, मैंने दो साल तक पीयूष को रीहैब (पुनर्वास केंद्र) जाने के लिए मनाने की पूरी कोशिश की, लेकिन वो नहीं माने.

तलाक के बाद भी करती थीं मदद

जब कई बार समझाने के बावजूद पीयूष नहीं मानें, तब 2020 में शुभांगी ने उनसे अलग होने का फैसला लिया. शुभांगी ने बताया कि उनके लिए ये सब मेंटली बहुत ज्यादा चैलेंजिंग था. लेकिन इस बीच उन्होंने ये भी बताया कि तलाक के बाद भी वो पीयूष की आर्थिक रूप से पूरी तरह से मदद कर रही थीं, लेकिन बावजूद इसके उन्होंने शराब नहीं छोड़ी. जब शुभांगी से पूछा गया कि क्या वह अपने एक्स-हसबैंड को याद करती हैं, तो वह भावुक हो गईं और उनकी आंखों में आंसू आ गए. उन्होंने बस इतना ही कहा, च्कभी-कभी.

Prada की एक गलती से फिल्मी सितारों के पैरों में पहुंचीं कोल्हापुरी चप्पलें, जानें विवाद और इतिहास

महाराष्ट्र की मिट्टी से निकली और अब दुनियाभर में अपनी धाक जमा चुकी कोल्हापुरी चप्पल आज एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है. हाल ही में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय फैशन ब्रांड 'प्रादा' (Prada) के साथ जुड़े विवाद के बाद, अब भारतीय सेलेब्रिटी और बॉलीवुड एक्टर्स भी इसे गर्व से पहनकर एक नया ट्रेंड सेट कर रहे हैं. अपनी सादगी, मजबूती और खास कारीगरी के लिए जानी जाने वाली कोल्हापुरी चप्पल का ये नया अवतार न सिर्फ फैशन प्रेमियों को लुभा रहा है, बल्कि भारत की कला को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर पेश कर रहा है.

प्रादा विवाद के बाद, भारतीय हस्तियों ने अपनी 'देसी' पहचान पर गर्व दिखाते हुए कोल्हापुरी चप्पलों को फिर से फैशन ट्रेंड में ला दिया है. बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस करीना कपूर से लेकर दिग्गज एक्ट्रेस नीना गुप्ता तक, कई सेलेब्स अब गर्व से कोल्हापुरी चप्पल पहने नजर आ रहे हैं. दरअसल ये पूरा मामला तब गरमाया था, जब इटली के लक्ज़री फैशन ब्रांड 'प्रादा' ने अपने समर कलेक्शन में कोल्हापुरी स्टाइल की चप्पलें स्लिप ऑन सैंडल के नाम से लॉन्च कीं. फैशन शो में जब मॉडल्स ने इन चप्पलों को पहना तो पूरी दुनिया की नजरें इन पर टिक गईं. इन चप्पलों को पूरी दुनिया में खूब पसंद किया गया, लेकिन प्रादा ने इस अनोखी हस्तकला के असली निर्माताओं, यानी कोल्हापुर के कारीगरों और इसकी भारतीय विरासत को कोई श्रेय नहीं दिया.

प्रादा ने मानी अपनी गलती

प्रादा की इस हरकत से सोशल मीडिया पर भारी नाराजगी देखी गई. लोगों का कहना था कि ये सांस्कृतिक चोरी है, क्योंकि कोल्हापुरी चप्पल सिर्फ एक फुटवियर नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा और कारीगरों की मेहनत का प्रतीक है. इस विवाद ने कोल्हापुरी चप्पल को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में ला दिया. आखिरकार सोशल मीडिया पर हुई आलोचना के बाद प्रादा जैसे ब्रांड ने इस बात को माना कि उनकी बनाई हुई चप्पल कोल्हापुरी चप्पल से प्रेरित है.

करीना ने कसा तंज

इस पूरे मामले के बाद करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कोल्हापुरी चप्पल पहनी हुई फोटो शेयर की और साथ में प्रादा पर तंज कसते हुए उन्होंने लिखा कि . 'सॉरी नॉट प्रादा, बट माय ओजी (ओरिजिनल) कोल्हापुरी'। (ये प्रादा नहीं, मेरी ओरिजिनल कोल्हापुरी है.)

'मराठी में डब...' महाराष्ट्र में चल रहे भाषा विवाद पर क्या बोले शिल्पा शेट्टी और संजय दत्त?

महाराष्ट्र में इन दिनों हिंदी बनाम मराठी का मुद्दा गरमाया हुआ है. अलग-अलग बयानों के बीच बॉलीवुड सितारों की भी अपनी राय इस मुद्दे पर सामने आ रही है. इसी बीच साउथ फिल्म KD: The Devil का टीजर गुरुवार को लॉन्च किया गया. मुंबई में टीजर लॉन्च इवेंट हुआ, जिसमें फिल्म की लीड स्टारकास्ट मौजूद रही. वैसे तो ये एक कन्नड फिल्म है, लेकिन फिल्म में बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त और एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं.

फिल्म KD: The Devil में संजय दत्त का नया लुक देखकर फैंस हैरान हैं और फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. वहीं, शिल्पा शेट्टी की अदाओं पर फैंस दिल हार रहे हैं. वहीं फिल्मी बातचीत के बीच शिल्पा और संजय ने कई और मुद्दों पर भी अपनी राय रखी. मीडिया से बातचीत में एक पत्रकार के सवाल पर शिल्पा शेट्टी और संजय दत्त ने महाराष्ट्र में चल रहे भाषा विवाद को लेकर अपनी राय रखी.

भाषा विवाद पर बोलीं शिल्पा शेट्टी

मीडिया इंटरैक्शन के दौरान एक पत्रकार ने शिल्पा और संजय से भाषा विवाद पर सवाल किया. पत्रकार ने कहा- जन्मभूमि और कर्मभूमी दोनों भाषाओं का आना या सीखना कितना जरूरी है इस वक्त क्योंकि एक नई भाषा का ज्ञान होना अच्छी बात है लेकिन क्या उसे लेकर जबरदस्ती करना, क्या ये सही है? इसको लेकर आप क्या कहेंगे. इस सवाल के जवाब में शिल्पा ने कहा कि इस बात का जवाब संजू यानी संजय दत्त देंगे. शिल्पा की इस बात पर सभी हंसने लगे.

पैन इंडिया रिलीज होगी फिल्म

संजय ने बात का जवाब देते हुए कहा-मैं समझा नहीं आपने क्या पूछा, अगर आप एक्सप्लेन कर दें. इसके बाद शो के होस्ट ने कहा कि सभी कुछ पैन इंडिया हो गया है. इसके बाद शिल्पा ने कहा कि वो महाराष्ट्र की बेटी हैं और उन्हें मराठी आती है, आज हम केडी के बारे में बात कर रहे हैं. हम किसी कंट्रोवर्सी को बढ़ावा नहीं देना चाहते. ये फिल्म वैसे भी कई भाषाओं में रिलीज हो रही है, इसको हम मराठी में भी डब कर सकते हैं. आपको बता दें, फिल्म में ध्रुव सरजा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, रमेश अरविंद और वी रविचंद्रन लीड रोल्स में नजर आएंगे. पैन इंडिया वाली यह फिल्म हिंदी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

140 करोड़ भारतीयों को छोड़ा पीछे,

प्राजक्ता कोली

ने रचा इतिहास

भारत की पॉपुलर कंटेंट क्रिएटर और एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने 140 करोड़ भारतीयों को पीछे छोड़कर एक नया इतिहास रच दिया है. प्राजक्ता कोली ने अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज करा ली है. प्राजक्ता को टाइम मैगजीन ने टाइम 100 क्रिएटर्स लिस्ट 2025 में शामिल किया है. प्राजक्ता इस लिस्ट में शामिल होने वाली एकमात्र और पहली भारतीय कंटेंट क्रिएटर हैं.

टाइम 100 क्रिएटर्स लिस्ट में शामिल होने पर प्राजक्ता ने भी खुशी जाहिर की है. उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने चाहने वालों के साथ ये गुड न्यूज शेयर करते हुए लिखा, मैं 'टाइम' की TIME100CREATORS लिस्ट में शामिल हो गई. इस समय मुझे बहुत कुछ महसूस करना चाहिए था और उससे भी ज्यादा कहना चाहिए था. लेकिन, सच कहूं तो इस पल में मेरे दिमाग में सिर्फ दो शब्द आ रहे हैं, आपका धन्यवाद.

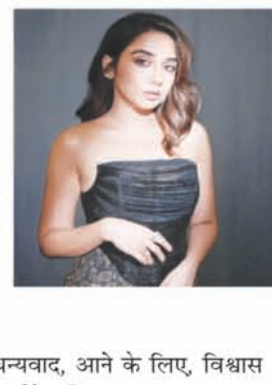

प्राजक्ता ने आगे लिखा, मेरे दर्शकों का धन्यवाद, आने के लिए, विश्वास करने के लिए, और बने रहने के लिए. मेरे परिवार का धन्यवाद, हर मुश्किल, जादुई पल में मेरे साथ खड़े रहने के लिए. मेरी टीम का धन्यवाद, मेरा सहारा बनने के लिए और 21 साल की प्राजक्ता का भी धन्यवाद, जो बिना किसी योजना, बिना किसी तैयारी, बिना किसी रोडमैप के, एक क्रिएटर के तौर पर कहानी कहने में पूरी तरह से डूब गईजसिर्फ दिल से. सिर्फ सहज ज्ञान से. सिर्फ कहानियों के लिए प्यार से. तो हां, धन्यवाद. मुझे लगता है कि कहने के लिए बस इतना ही है और शायद, यही सब कुछ है.

यूट्यूबर से बनीं एक्ट्रेस

प्राजक्ता बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं. एक मशहूर यूट्यूबर के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में भी हाथ आजमाया. उन्होंने नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'मिसमैच्ड' में काम किया है. इसके अलावा उन्हें वरुण धवन की फिल्म 'जुग जुग जियो' और विद्या बालन की फिल्म 'नीयत' में भी देखा गया है. वहीं प्राजक्ता एक राइटर भी हैं. उन्होंने बेस्टसेलिंग उपन्यास 'टू गुड टू बी ट्रू' लिखा है, जिसे काफी पसंद किया गया.सोशल मीडिया पर प्राजक्ता काफी पॉपुलर हैं.

न्यूज फ्लैश

निर्भीकता और नारीत्व की लेखनी बनी प्रेरणा: शैलजा सचदेवा की आत्मिक यात्रा का अद्भुत दस्तावेज

दिव्या दिल्ली : एक ऐसा क्षण जब भावनाओं की गहराई, आंतरिक शक्ति और जीवन का उद्देश्य एक साथ धड़कते हैं उसी क्षण की परिणति है शैलजा सचदेवा की नई साहित्यिक पहचान। जानी-मानी हैप्पीनेस एंड माइंडसेट स्पिरिचुअल कोच, टैरो रीडर और न्यूमरोलॉजिस्ट शैलजा अब लेखन की दुनिया में एक सशक्त आवाज बनकर उभरी हैं। वे प्रेरणादायक अंतर्राष्ट्रीय संकलन' 'Fearless and Feminine की सह-लेखिका के रूप में सामने आई हैं एक ऐसा कृति संग्रह जो उन महिलाओं की कहानियों को मुखर करता है जिन्होंने अपने जीवन की सीमाओं को तोड़ते हुए खुद को पुनर्परिभाषित किया। इस संकलन में शैलजा की कहानी न सिर्फ एक व्यक्तिगत संघर्ष की गाथा है, बल्कि एक व्यापक नारीय आंदोलन का प्रतीक बन जाती है एक ऐसा आंदोलन जो उन अनगिनत गृहिणियों के भीतर मौन पड़ी संभावनाओं को आवाज देता है। वे महिलाएं जो परिवार की धुरी होती हैं, लेकिन अपनी आकांक्षाओं को अक्सर समाज की दीवारों के पीछे छुपा देती हैं। कभी एक पूर्णकालिक गृहिणी रहीं शैलजा की यात्रा, आत्म-जागरण और पुनर्निर्माण की मिसाल है। उनकी कहानी हर उस महिला का प्रतिनिधित्व करती है जो अपनी अस्मिता की तलाश में है। शैलजा का अध्याय केवल घटनाओं का क्रम नहीं है, बल्कि यह मानसिक, भावनात्मक और आत्मिक बदलावों की यात्रा है। आत्म-पुनर्विचार और एक गहरी भीतरी पुकार ने उन्हें उनके सच्चे उद्देश्य की ओर मोड़ा, और उन्होंने आध्यात्मिक कोचिंग को अपने जीवन की दिशा बनाया। Harpreet Kaur और Abhishek Madaan के मार्गदर्शन में उन्होंने अपने भीतर की रोशनी को पहचाना और आज वे हजारों लोगों को आत्म-विश्वास, उद्देश्य और दिशा की खोज में सहारा प्रदान कर रही हैं।उनकी यह साहित्यिक शुरूआत, लेखन की दृष्टि से जितनी सशक्त है, उतनी ही भावनात्मक रूप से गूढ़ भी है। इसमें उन्होंने Progressive Improvisation" यानी सतत विकास की अवधारणा को न सिर्फ लिखा, बल्कि जिया भी है। उनकी कहानी किसी चमत्कारी परिवर्तन की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे, पर महत्वपूर्ण कदमों की है, जो आत्मिक विकास के रास्ते पर उन्हें अग्रसर करते रहे। 'Fearless and Feminine के पन्नों में उनकी आवाज, केवल उनके शब्द नहीं हैं–यह एक आह्वान है। यह उस हर स्त्री को प्रेरित करता है जो खुद को फिर से पाना चाहती है, अपनी शक्ति को पहचानना चाहती है, और अपने आत्मिक सत्य से जुड़ना चाहती है शैलजा सचदेवा की यह साहित्यिक यात्रा दरअसल उस परिवर्तन का आरंभ है, जो हजारों महिलाओं के भीतर सोई शक्ति को जगा सकता है। वे न सिर्फ अपनी कहानी लिख रही हैं, बल्कि औरों को भी उनकी कहानी शुरू करने की प्रेरणा दे रही हैं–निर्भीकता और नारीत्व के साथ।

प्रसिद्ध स्पिरिचुअल कोच शैलजा सचदेवा को अभिनेत्री हेमा मालिनी द्वारा रइफ2025 अवॉर्ड से नवाजा गया

हाल ही में मुंबई में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में प्रसिद्ध हैप्पीनेस एंड माइंडसेट स्पिरिचुअल कोच, टैरो रीडर, रेकी मास्टर टीचर और न्यूमरोलॉजिस्ट शैलजा सचदेवा को प्रतिष्ठित रइफ 2025 अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी के करकमलों से प्राप्त हुआ, जिसने इस पल को और भी ऐतिहासिक और प्रेरणादायक बना दिया। शैलजा सचदेवा की जीवन यात्रा एक गहरी प्रेरणा है एक समर्पित गृहिणी से एक सशक्त आध्यात्मिक मार्गदर्शक बनने तक का उनका सफर परिवर्तन, साहस और आत्मसमर्पण का प्रतीक है। उन्होंने न सिर्फ खुद को पहचाना, बल्कि अनेकों लोगों की ज़िंदगी को सकारात्मक दिशा दी। उनकी सेवाएं उन लोगों के लिए जीवनदायिनी साबित हुई हैं जो हीलिंग, उद्देश्य और आत्म-खोज के मार्ग पर चलने के इच्छुक हैं। यह पुरस्कार उनके व्यक्तिगत प्रयासों की ही नहीं, बल्कि उस गहरे और व्यापक प्रभाव की भी मान्यता है, जो उन्होंने समाज और व्यक्तियों के जीवन पर डाला है। उनका कार्य प्राचीन आध्यात्मिक ज्ञान, आधुनिक अंतर्दृष्टि और करुणा का सुंदर संगम है, जो लोगों को उनके सर्वोच्च आत्म से जोड़ने में मदद करता है। शैलजा के सत्र केवल जीवन की समस्याओं के समाधान तक सीमित नहीं रहते, बल्कि वे आत्मा को झकझोर देने वाले अनुभव होते हैं। ऐसे अनुभव जो व्यक्ति को उसकी आंतरिक शक्ति, उद्देश्य और प्रकाश से जोड़ते हैं। यही कारण है कि वे आज लाखों लोगों की प्रेरणा बन चुकी हैं। अपने आध्यात्मिक मार्गदर्शन की सफलता का श्रेय शैलजा ईश्वरीय अनुकंपा, अपने गुरुओं जैसे कि ल्ं१स्त्र१ी३ ङ४१ और अ्रुँरी' टॅल्लि के आशीर्वाद और वर्षों की कठिन साधना को देती हैं।

उनकी कहानी इस बात की सच्ची मिसाल है कि जब कोई व्यक्ति अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनता है और सेवा के पथ पर साहसपूर्वक चलता है, तो जीवन वास्तव में चमत्कारी रूप से बदल सकता है। अभिनेत्री हेमा मालिनी, जो स्वयं नारीत्व, शक्ति और सौंदर्य की प्रतीक मानी जाती हैं, उनके हाथों यह सम्मान पाना शैलजा की यात्रा को एक गहरी प्रतीकात्मकता देता है। यह उस महिला की कहानी है जिसने न केवल स्वयं को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया, बल्कि अनगिनत महिलाओं को आत्मनिर्भरता, आत्म-जागरूकता और आध्यात्मिक शक्ति की ओर प्रेरित किया। यह पुरस्कार शैलजा सचदेवा के जीवन मिशन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। एक ऐसा मिशन जो आत्माओं को दिशा देता है, समुदायों को सशक्त करता है और भीतर की रोशनी को जगाता है। उनकी यात्रा हमें यह याद दिलाती है कि जब हम सेवा, विश्वास और आत्म-प्रेरणा को अपना आधार बनाते हैं, तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं।

पर्यावरण के प्रति उत्साह किए जा रहे काम से चकित हुए अधिकारी

दिव्य दिल्ली-विनय महाजन (नूरपुर)

चक्की दरिया के समीप मिलिट्री क्षेत्र की सीमा पर स्थित एक कॉलोनी के लोगों ने मिलकर एक अनूठी मुहिम को सरकारी विभागों को भी चकित कर डाला ' डिफेंस कॉलोनी नामक स्थान पर बसे करीब 300 परिवारों द्वारा गत वर्ष पर्यावरण की रक्षा हेतु एक जोरदार मुहिम शुरू की गई थी जिसके तहत इस कॉलोनी की खाली पड़ी जमीन व कॉलोनी से सटे इलाकों में अनेकों पेड़ लगाए गए ' इस बार आज से शुरू इसी प्रकार की एक मुहिम में क्षेत्र के वन विभाग के मंडल अधिकारी धर्मवीर की मौजूदगी में स्थानीय लोगों ने अपनी कॉलोनी को पॉलिथीन मुक्त रखने का अभियान चलाया ' अधिकारी द्वारा इस मुहिम को अति सराहनीय बताते हुए कहा कि बाकी लोग भी यहां के लोगों से प्रेरणा ले सकते हैं' इस अवसर पर पंचायत प्रधान सर्व जीत गिल.अखिलेश्वर. रमेश शमी. अपन भारती.डॉक्टर संदीप व अन्य प्रमुख लोग भी इस समारोह में शामिल रहे '

एक युवक ने हथौड़ी से दूसरे युवक पर उसके सिर पर तथा कनपटी पर बार करके उसे गंभीर रूप से किया घायल

दिव्य दिल्ली : प्रेम स्वरूप शर्मा (नगरोटा सूरियां)

नगरोटा सूरियां के साथ लगती पंचायत कथोली में एक युवक ने हथौड़ी से दूसरे युवक पर उसके सिर पर तथा कनपटी पर बार करके उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया जिस युवक पर हमला किया गया उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे टांडा रेफर कर दिया गया है इस बात की पुष्टि जवाली उप मंडल के डीएसपी वीरी सिंह ने की है पुलिस द्वारा बताया गया कि लवकेश कुमार उर्फ लब्बू पंचायत कटोरा गांव गलुआ निवासी जो कि शटरिंग का काम करता है कथोली शराबके ठेके के पास खड़ा था और उसने शराब भी पी थी तथा वहां पर रविकुमार चौधरी की एक छोटी गाड़ी ट्राला खड़ा था तथा लोकेश कुमार ने यह गाड़ी किसकी है तो राजीव कुमार ने कहा कि यह मेरी गाड़ी है तब लोकेश कुमार नेकहा कि गाड़ी से मेरा सामान लाना है राजीव कुमार ने कहा कि मेरे पास समय नहीं है मैं कहीं और जा रहा हूं बस इस बात पर लवकेश कुमार भड़क गए और उसने कहा आपको मेरे साथ जाना पड़ेगा नहीं तो मैं आपकी गाड़ी तथा गाड़ीके शीशे तोड़ दूंगा और गाड़ी के शीशे तोड़ने लगा इतने में तुरंत राजीव कुमार आ गया और उसके साथ लड़ाई झगड़ा शुरू कर दिया तथा लवकेश कुमार ने हाथ में हथौड़ी ली थी तथा उसने राजीव कुमार के सिर तथा कनपटी पर जोरदार बार कर दिया जिससे राजीव कुमार कुमार गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया जैसे है राजीव कुमार के भाई को पता चला वह तुरंत वहां पहुंच गए और उन्होंने तुरंत अपने गंभीर हालत भाई को स्थानीय अस्पताल में पहुंचाया गया लेकिन डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद राजीव कुमार की गंभीर हालत को देखते हुए उसेतुरंत टांडा हॉस्पिटलभेज दिया गया है जबकि राजीव कुमार अभी तक बेहोश है तथा कुछ बोल नहीं पा रहा है उधर पुलिस को जैसे ही इस घटना का पता चला मौके पर पहुंच गए हैं और उन्होंने उक्त हमला करने वाले लवकेश कुमार व्यक्ति को पकड़ लिया तथा जिस हथौड़ी से उसने हमला किया था।

बैराज बांध औसती परिवारों व कमेटी ने रोजगार व अन्य समस्याओं को लेकर निगरान अभियंता बैराज कुलविंदर से बैठक की

दिल्ली : रंधावा (पठानकोट)

बैराज बांध औसती परिवारों व संघर्ष कमेटी ने अपने विस्थापित हुए परिवारों के रोजगार , पुनार्वास मुआवजे व अन्य समस्याओं को लेकर बैराज बांध प्रशासन के लिए कमेटी के शिष्टमंडल ने कमेटी के वरिष्ठपदाधिकारी व कर्मचारी नेता जसवंत संधू की अध्यक्षता में बैराज बांध प्रशासन के निगरान अभियंता कुलविंदर सिंह उनके कार्यालय में बैठक की। बैठक में कमेटी के शिष्टमंडल में कर्मचारी नेता जसवंत संधू,कर्मचारी नेता रोशन लाल भगत, समाज सेवक सोहन लाल, औसती कमेटी के सुरजीत सिंह, रविंद्र बाबा, रोहित कुमार, पूर्व सरपंच रमेश कुमार व अन्य ने निगरान अभियंता कुलविंदर सिंह को बताया कि , उनके प्रभावित हुए परिवारों को बैराज बांध प्रशासन रोजगार देने के लिए आनाकानी कर रहा है, जबकि इससे पहले इसी आर एंड आर पालिसी अनुसार, पंजाब के 229 व जम्मू कश्मीर के कई प्रभावित परिवारों को रोजगार व उनका बनता पुनार्वास मुआवजा दिया गया है। शिष्टमंडल ने कहा कि उनकी ओर से जिलाधीश के आदेशों अनुसार , प्रभावित हुए परिवारों की अधिगृहित भूमि व मकानों के दस्ताबेजों सहित फाइलें दी थी, जिसके लिए जिलाधीश आदित्य उप्पल आईएएस की ओर से उक्त दस्ताबेजों की उचित जांच के लिए बैराज बांध कार्यालय में भेज दी गई है, परंतु अभी तक बैराज बांध प्रशासन की ओर से कोई उचित कार्रवाई नहीं की जा रही है। शिष्टमंडल की मांगों व समस्याओं को सुन कर निगरान अभियंता कुलविंदर सिंह ने आश्वासन दिया कि वह इस सबंध में शीघ्र ही डैमज प्रशासन के चीफ इंजीनियर व जल स्त्रोत विभाग के प्रधान सचिव को पूरी स्थिति से अवगत करवा कर, विस्थापित परिवारों के हितों की रक्षा के लिए पूरा प्रयास करेगें। उन्होंने साथ में शिष्टमंडल को आश्वासन दिया कि जैसे ही पालिसी में सुधार होता है, उसी समय ही दस्ताबेजों की जांच के लिए कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

चूड़ेश्वर सेवा समिति के वरिष्ठ सदस्य सूरतराम कमल के निधन पर शोक सभा आयोजित

दिव्य दिल्ली-विजय आजाद (सिरमौर)

सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से कामना की

चूड़ेश्वर सेवा समिति चूड़धार के वरिष्ठ सदस्य सूरतराम कमल के निधन पर चूड़ेश्वर सेवा समिति बोगधार इकाई द्वारा आयोजित शोक सभा में समिति के केन्द्रीय कार्यकारिणी के महासचिव सुनील कमल, तुलसी राम चौहान, बलबीर सिंह चौहान, बृज भूषण कमल, रमणंद सागर, प्रवीण कमल, शारदानंद कमल, सोमदत्त कुमार, डॉ. अमीचंद कमल, व्यापार मंडल के अध्यक्ष अशोक चौहान, पंचायत समिति अध्यक्ष तेजेंद्र कमल, ग्राम पंचायत शामरा के पूर्व प्रधान भागवन्ती चौहान ,लम्बरदार मेहन लाल चौहान, रमेश कमल, मनोज कमल आदि गणमान्य लोगों ने भाग लिया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से कामना की।

माता श्री चिंतपूर्णी में श्रावण अष्टमी मेला 25 जुलाई से 3 अगस्त तक

दिव्य दिल्ली : (ऊना)

उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध शक्तिपीठ माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर में 25 जुलाई से 3 अगस्त तक श्रावण अष्टमी मेले का आयोजन किया जाएगा। एसडीएम अंब सचिन शर्मा ने इसे लेकर शुक्रवार को माईदास सदन चिंतपूर्णी में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली और मेले के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जानकारी दी कि श्रावण अष्टमी मेले के दौरान एडीसी ऊना मेला अधिकारी, एसडीएम अंब सहायक मेला अधिकारी जबकि एएसपी ऊना कोपुलिस मेला अधिकारी तथा डीएसपी अंब को सहायक पुलिस मेला अधिकारी नियुक्त किया गया है।सचिन शर्मा ने कहा कि मेले के दौरान माता श्री चिंतपूर्णी का मंदिर श्रद्धालुओं के लिए चौबीसों घंटे खुला रहेगा।

साफ-सफाई के लिए रात्रि के दौरान मंदिर को केवल एक घंटे के लिए बंद किया जाएगा। दोपहर को मां के श्रृंगार व भोग इत्यादि के लिए भी मंदिर कुछ समय के लिए बंद रहेगा। लंगर लगाने की लेनी होगी अनुमति एसडीएम ने बताया कि श्रावण अष्टमी मेले के दौरान लंगर लगाने की अनुमति लेना अनिवार्य रहेगा। आयोजक को लंगर की समाप्ति के बाद साफ-सफाई भी सुनिश्चित करनी होगी। इसके अलावा मेले के दौरान डीएफएससी ऊना खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर नियमित रूप से निरीक्षण नियमों की अवहेलना करने पर होगी कार्रवाई एसडीएम ने कहा कि मेले के दौरान ढोल नगाड़े, चिमटा, लाउडस्पीकर इत्यादि बजाने और प्लास्टिक व थमोकोल के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

शहर व वार्डों की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

दिव्य दिल्ली : रंधावा (पठानकोट)

पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शानुसार, अतिरिक्त उपायुक्त (ज) हरदीप सिंह ने वार्डों व शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, अतिरिक्त उपायुक्त (ज) ने सफाई निरीक्षकों को शहर की समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त उपायुक्त (ज) ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों से कहा कि वे अपने-अपने वार्डों की सफाई संबंधी समस्याओं के बारे में मंगलवार को निगम को रिपोर्ट दें और उनका समाधान करें तथा शुक्रवार को इन समस्याओं के समाधान/गति की समीक्षा करें।

पर्यावरण के प्रति उत्साह किए जा रहे काम से चकित हुए अधिकारी, 'कहा बाकी स्थानों के लोग भी ले इनसे प्रेरणा'

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

चक्की दरिया के समीप मिलिट्री क्षेत्र की सीमा पर स्थित एक कॉलोनी के लोगों ने मिलकर एक अनूठी मुहिम को सरकारी विभागों को भी चकित कर डाला' डिफेंस कॉलोनी नामक स्थान पर बसे करीब 300 परिवारों द्वारा गत वर्ष पर्यावरण की रक्षा हेतु एक जोरदार मुहिम शुरू की गई थी जिसके तहत इस कॉलोनी की खाली पड़ी जमीन व कॉलोनी से सटे इलाकों में अनेकों पेड़ लगाए गए ' इस बार आज से शुरू इसी प्रकार की एक मुहिम में क्षेत्र के वन विभाग के मंडल अधिकारी धर्मवीर की मौजूदगी में स्थानीय लोगों ने अपनी कॉलोनी को पॉलिथीन मुक्त रखने का अभियान चलाया ' अधिकारी द्वारा इस मुहिम को अति सराहनीय बताते हुए कहा कि बाकी लोग भी यहां के लोगों से प्रेरणा ले सकते हैं' इस अवसर पर पंचायत प्रधान सर्व जीत गिल.अखिलेश्वर. रमेश शमी. अपन भारती.डॉक्टर संदीप व अन्य प्रमुख लोग भी इस समारोह में शामिल रहे '

बलैरो गाड़ी पेड़ से टकराने से 09 श्रद्धालु घायल

दिव्य दिल्ली : रंधावा (पठानकोट)

पठानकोट के गांव बहादुरपुर के नजदीक एक बलैरो गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराने का समाचार प्राप्त हुआ है, इस हादसे में गाड़ी सवार 9 लोगों के घायल होने जिनमें से दो लोगो को गम्भीर चोटें आईं हैं जिन्हें इलाज के लिए निजी हस्पताल में रेफर किया गया। वह चंडीगढ़ से आ रहे थे पठानकोट। चंडीगढ़ किसी धार्मिक स्थान पर गए थे सभी माथा टेकने।पठानकोट के नरोट जैमल सिंह में पढ़ते गांव बहादुरपुर में उस समय हफड़ा तफरी मच गई जब चंडीगढ़ से एक धार्मिक स्थान पर माथा टेक कर करीब 9 श्रदालु अपनी बलेरो गाड़ी में सवार होकर पठानकोट की ओर आ रहे थे और जब गांव बहादुरपुर के पास पहुंचे तो अचानक ड्राइवर को नींद का झोंका आ गया जिसके चलते गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई जिसके तहत गाड़ी में बैठे 9 श्रद्धालु जख्मी हो गए जिन्हें इलाज के लिए नरोट जेमल सिंह के सरकारी अस्पताल ले जाया गया जहां पर दो लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें निजी अस्पताल रेफर किया गया फिलहाल किसी तरह का कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। इस बारे में जानकारी देते हुए जख्मी हुए श्रद्धालुओं ने कहा कि अचानक ड्राइवर को नींद आ गई जिसके कारण यह हादसा हुआ है उन्होंने बताया कि गाड़ी में 9 लोग सवार थे जिनमें से दो लोग गंभीर जख्मी हुए हैं जिन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल भेजा गया है।

वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला राजगढ़ में सहकारिता विषय पर जागरूकता शिविर का आयोजन

दिव्य दिल्ली-विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर पूर्व वन मंत्री राकेश पठानिया ने आज एक भेंटवार्ता मे बताया कि प्रदेश के बांधो मे बरसात मे पहुँची हुई लकड़ी यह गवाही है कि प्रदेश में भारी मात्रा मे अवैध कटान हुआ है' उन्होंने कहा कि जिला मंडी के पंडोह बांध के बाद अब कांगड़ा का पौंग बांध भी पुष्पराज बन चुका है। पौंग बांध के मुख्य गेट के आसपास अब लकड़ी से झील लबालब भर रही है। सरकार व संबंधित विभाग ने अगर समय रहते लकड़ी को काबू में नहीं किया और झील के गेट खोले तो लकड़ी ब्यास नदी में समा जाएगी । पौंग बांध के मेन गेट के आसपास एक ऐसा नजारा देखने को मिल रहा है जिसने हर किसी को सुपरहिट फिल्म 'पुष्पा' की याद एक बार फिर दिला दी है।

इस झील के मेन गेट की सतह पर दूर-दूर तक फैली लकड़ियों का दृश्य ऐसा है,कि दो साल पूर्व भी लकड़ी इस बांध में पहुंची थी जो अब तक बांध के किनारों पर ही सड़ रही है।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397